▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 219 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 07-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

तमिलनाडु में गरीब कल्याण सुनिश्चित

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत
3.6+ करोड़ लाभार्थियों को हर माह मुफ्त अनाज, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित

1.1+ करोड़ से अधिक घरों तक नल से स्वच्छ जल और
41+ लाख उज्ज्वला गैस कनेक्शन से धुएं-मुक्त रसोई, उत्तम स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित

पीएम आवास योजना के तहत लगभग 14+ लाख परिवारों को पक्के घर, अपने घर का सपना हो रहा पूरा

1.8+ करोड़ जन धन खाते खुले, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता को मजबूती

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 4+ लाख स्ट्रीट वेंडर्स को
₹1,000+ करोड़ के ऋण, आत्मनिर्भरता और आजीविका को बढ़ावा, जीवन बीमा का सुरक्षा कवच मजबूत

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 1.2+ करोड़ लोगों को जीवन सुरक्षा सुनिश्चित

2.5+ करोड़ लोग प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से
और 54+ लाख लोग अटल पेंशन योजना से जुड़े, वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित

सौभाग्य योजना के तहत 100% घरों में बिजली कनेक्शन, अब हर घर रोशन

विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु मोदी सरकार का संकल्प

“हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।”
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

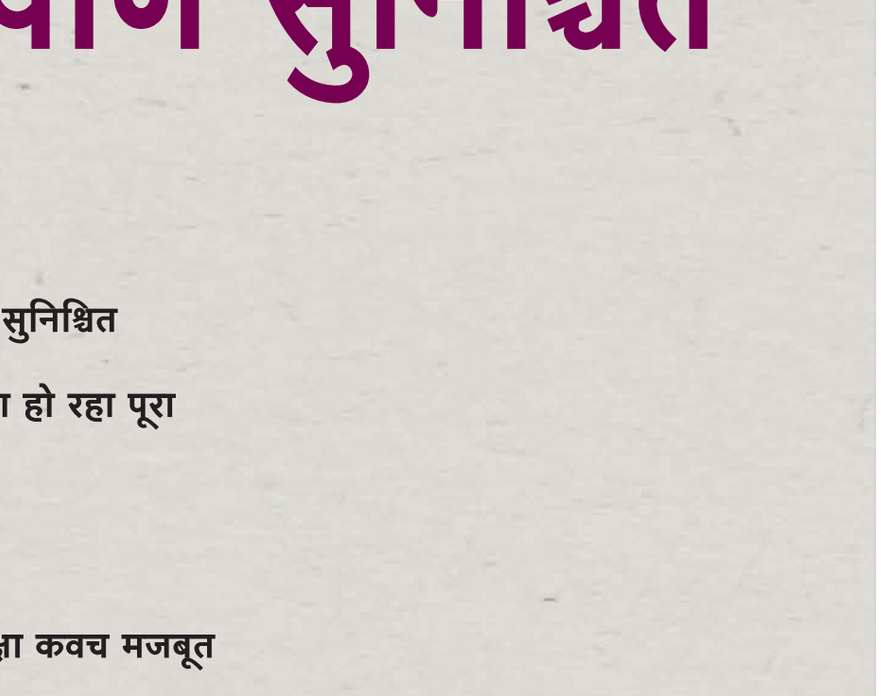

CBC 44101/13/0020/2526

महाराष्ट्र के बजट में किसानों का दो लाख रुपए का कर्ज माफ करने की घोषणा, लाडकी बहिन योजना जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में पात्र किसानों के लिए दो लाख रुपए तक के फसली ऋण माफ करने की शुक्रवार को घोषणा की। गरीब महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लाडकी बहिन' योजना को जारी रखने और इसके लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान करने की भी बात कही गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष के लिए 7,69,467 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र वर्ष 2047 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा।

वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमाफी योजना' के तहत 30 सितंबर, 2025 तक बकाया दो लाख रुपए तक के फसली ऋण को माफ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जो किसान अपने कर्ज की अदायगी नियमित रूप से करते रहे हैं, उन्हें राज्य सरकार की तरफ से 50,000 रुपए का प्रोत्साहन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में शुरू की गई 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' आगे भी जारी रहेगी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को

प्रति माह 1,500 रुपए दिए जाते हैं और इसके लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके साथ ही फडणवीस ने कहा कि राज्य के 1,000 से अधिक आबादी वाले सभी गांवों को कंक्रीट से बनी सड़कों के जरिये जोड़ा जाएगा। उन्होंने महाराष्ट्र को देश की वित्तीय ताकत बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डॉलर के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य है।

बजट दस्तावेज के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य की राजस्व प्राप्तियां 6,16,099 करोड़ रुपए और राजस्व व्यय 6,56,651 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इस तरह अगले वित्त वर्ष में राजस्व घाटा 40,552 करोड़ रुपए रह सकता है।

फडणवीस ने कहा कि 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 1,50,491 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत से कम रखा गया है।

फडणवीस ने अपने बजट भाषण में राज्य के दिवंगत वित्त मंत्री अजित पवार को याद करते हुए कहा कि उनके सम्मान में एक उपयुक्त स्मारक बनाया जाएगा। पवार का जनवरी में एक विमान हादसे में निधन हो गया था।

फडणवीस के बजट पेश करने के लिए खड़े होने के समय विधानसभा में भावुक माहौल बन गया। कई सदस्यों ने 'अजित दादा अमर रहे' के नारे लगाकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी।

पवार के निधन के बाद से फडणवीस ही राज्य के वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं। इससे पहले पवार के पास कई वर्षों से वित्त मंत्रालय का दायित्व था।

उर्वरक भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर, पश्चिम एशिया संकट से अछूता : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का उर्वरक भंडार खरीफ (ग्रीष्म) फसल के मौसम से पहले अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। सरकार ने शुक्रवार को किसानों और बाजारों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि पश्चिम एशिया और होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रहे भूराजनीतिक तनाव से घरेलू आपूर्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उर्वरक विभाग ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार तक कुल उर्वरक भंडार 177.31 लाख टन था, जो एक साल पहले के 129.85 लाख टन से 36.5 प्रतिशत अधिक है। विभाग ने कहा, ''किसान सरकार की प्राथमिकता हैं और उनके हितों से किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा।'' किसानों से आग्रह किया गया है कि वे बिना घबराए खरीफ की तैयारी में जुट जाएं। धान जैसी ख़रीफ़ फ़सलों की बुवाई जून से दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ शुरू होती है।

सबसे अधिक खपत वाला उर्वरक और प्राकृतिक गैस फीडस्टॉक पर अत्यधिक निर्भर यूरिया का स्टॉक 59.30 लाख टन था। डायमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) का भंडार 25.13 लाख टन था, जबकि एनपीकेएस उर्वरक भंडार 55.87 लाख टन तक पहुंच गया। सरकार ने कहा कि उसने फरवरी, 2026 तक 98 लाख टन तैयार उर्वरकों का आयात किया है। अगले तीन महीनों में डिलिवरी के लिए 17 लाख टन की निर्यात खेप पहले से ही कतार में हैं। बयान में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों ने क्षेत्रीय मूल्य निर्धारण और आपूर्ति में अस्थिरता से बचाव के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश (पी एंड के) उर्वरकों के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय उत्पादकों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते भी हासिल किए हैं। एलएनजी आपूर्ति में व्यवधान पर चिंताओं पर विभाग ने कहा कि उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद उर्वरक क्षेत्र को गैस आवंटन को सर्वोच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है।

फर्जी पहचान वालों की गिरफ्त में 'फंसी' बेटियों की मदद करें महिलाएं: गुजरात के उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। 'लव जिहाद' शब्द का उल्लेख किए बिना गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने शुक्रवार को महिलाओं से उन 'फंसी हुई बेटियों' की मदद करने की अपील की जो फर्जी पहचान वाले पुरुषों का शिकार बन जाती हैं। सांघवी ने यहां रामेश्वर महादेव मंदिर की 'कलश यात्रा' में अपने संबोधन में कहा कि राज्य में भाजपा सरकार ऐसे मामलों में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी ताकत से आगे बढ़ रही है।

'लव जिहाद' एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी लोग मुस्लिम पुरुषों द्वारा अन्य धर्मों की महिलाओं को रिश्तों और शादी के जाल में फंसाकर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने का आरोप लगाने के लिए करते हैं। ऐसे मामले सामने भी आए हैं जिनमें महिलाएं ऐसे पुरुषों का शिकार बनी हैं जो रिश्ते के अंतरधार्मिक पहलू को छिपाने के लिए फर्जी पहचान अपना लेते हैं। सांघवी ने कहा, ''अगर

हमारी बेटियां भोलेपन में शिकार बन जाती हैं, तो आप महिलाओं को लक्ष्मीबाई की तरह आगे आना चाहिए। फंसी हुई बेटी को बचाने का संकल्प लें। अगर आप उसकी आलोचना करने के बजाय उसके साथ खड़ी रहेंगी, तो कोई भी उसे परेशान करने के बारे में सोच भी नहीं पाएगा।'' इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के राज्य सरकार के संकल्प को सामने रखते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस कई जिलों में ऐसी कई महिलाओं को बचाने में सफल रही है। इस अवसर पर वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार भगवान खाटू श्याम, सांवरिया सेठजी और भारत माता की प्रतिमाओं का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया।

भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करेगा मॉरीशस

नई दिल्ली/भाषा। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल ने शुक्रवार को कहा कि मॉरीशस जल्द ही सरकार-से-सरकार (जी2जी) व्यवस्था के तहत भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात शुरू करेगा। रामफल ने कहा, पहले भी हमारे पास भारतीय सरकार के साथ एक समान व्यवस्था थी, जिसमें मैंगलोर तेल रिफाइनरी शामिल थी। यह सरकार-से-सरकार व्यवस्था थी और हमें लगातार पेट्रोल की आपूर्ति अपेक्षाकृत कम कीमत पर मिलती थी। हम भारत सरकार के साथ इसी तरह की व्यवस्था की उम्मीद कर रहे हैं।

मॉरीशस पूरी तरह से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर करता है, और यहां सालाना परिष्कृत पेट्रोलियम आयात का मूल्य लगभग 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर है। रामफल ने यह भी कहा, हम यह विचार कर रहे हैं कि शायद पेट्रोल को रुपए में खरीदें, जिससे यह मॉरीशस के लिए और भी आकर्षक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट उन देशों को काफी प्रभावित करेगा जो पेट्रोलियम आयात पर अधिक निर्भर हैं। रामफल ने कहा, इसका असर छोटी और कमजोर अर्थव्यवस्थाओं जैसे मॉरीशस पर व्यापक रूप से पड़ेगा। इसके अलावा, पर्यटन क्षेत्र और खाद्य आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

साइबर जालसाजों ने बुजुर्ग से 2.25 करोड़ रुपए ठगे, गुजरात से एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में शामिल होने के आरोप में गुजरात से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि एक बुजुर्ग को आतंकवाद से जुड़ी फर्जी जांच में गिरफ्तारी की धमकी देकर 2.25 करोड़ रुपए ठगे गए थे। उन्होंने बताया कि आरोपी किशन भावेशभाई मकवाना ने कथित तौर पर साइबर जालसाजों के लिए बैंक खाते खोले थे ताकि वे पीड़ितों से चोरी किए गए धन को वहां रख सकें। उन्होंने बताया कि गोरेगांव के 77 वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, पिछले साल नवंबर में साइबर जालसाजों ने उनसे संपर्क किया और उन पर झूठा आरोप लगाया कि उन्होंने आतंकवादियों के लिए जम्मू कश्मीर में बैंक खाता खोला है और इसके जरिए 70 लाख रुपए कमीशन के रूप में प्राप्त किया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को मुंबई पुलिस मुख्यालय का वरिष्ठ अधिकारी आकाश शर्मा बताया और शिकायतकर्ता से पूछताछ के लिए बुलाया। बुजुर्ग के असमर्थता जताने पर फोन एक अन्य व्यक्ति को दे दिया गया, जिसे लखनऊ के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) से बताया गया। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप पर एक संदेश में फर्जी गिरफ्तारी और कुर्की आदेश की प्रतियां भी भेजी गई थीं। उन्होंने बताया कि पीड़ित से कथित तौर पर उसके बैंक खातों का विवरण साझा करने और मामले से बचने के लिए उसे अपने खाते से धनराशि अंतरण करने को कहा गया। बुजुर्ग ने गिरफ्तारी के डर से 18 नवंबर से तीन दिसंबर, 2025 के बीच जालसाजों द्वारा दिए गए बैंक खाते में कई किश्तों में 2.25 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि भेजी। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपी ने पीड़ित से कहा कि उसकी जमानत मंजूर हो गई है तथा उसे आश्वासन दिया कि रकम जल्द वापस कर दी जाएगी। इसके बाद पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया मकवाना को इस सप्ताह की शुरुआत में पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पेट्रोलियम लॉबी वैकल्पिक ईंधन की ओर बदलाव आसानी से नहीं होने देगी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि 22 लाख करोड़ रुपए के ईंधन आयात से जुड़े हितों के कारण पेट्रोलियम लॉबी देश में वैकल्पिक एवं हरित ईंधनों को बढ़ावा देने के प्रयासों का आसानी से समर्थन नहीं करेगी।

गडकरी ने यहां 'इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी' (आईएफजीई) के संपीडित बायो-गैस सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के कारण पेट्रोलियम लॉबी उनके खिलाफ पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने कहा, ''पिछले 12 वर्षों से परिवहन मंत्री रहने के दौरान मैंने सीएनजी, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास को देखा है। हरित ईंधन की अर्थव्यवस्था में हमारी एक प्रतिशत भी हिस्सेदारी नहीं है, लेकिन पेट्रोलियम लॉबी पूरी ताकत से मेरे पीछे पड़ी हुई है। साफ है कि बहुत से लोगों के हित जीवाश्म ईंधन के आयात से जुड़े हैं। जब देश का करीब 22 लाख करोड़ रुपए का आयात बिल इससे जुड़ा हो, तो यह लॉबी इतनी आसानी से हरित ईंधन के सपनों को पूरा नहीं होने देगी।'' उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का करीब 86 प्रतिशत आयात करता है और जीवाश्म ईंधन के आयात पर हर साल लगभग 22 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं।

गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश की परिवहन व्यवस्था को स्मार्ट, सुरक्षित और टिकाऊ बनाना है। इसके लिए गैर-प्रदूषणकारी और स्वदेशी ईंधन को बढ़ावा देने सहित कई पहल की गई हैं। उन्होंने कहा, ''हरित और वैकल्पिक ईंधन ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, प्रदूषण कम करेंगे और जीवाश्म ईंधन के आयात बिल को घटाने में मदद करेंगे। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना देश को पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाएगा।''

सरकार ने रिफाइनरियों पर लगाया एस्मा, एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश देने के लिए 'एस्मा' कानून के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया है। इसका मकसद पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण संभावित व्यवधानों से निपटने के लिए घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बढ़ाना है। भारत की एलपीजी खपत वित्त वर्ष 2024-25 में 3.13 करोड़ टन थी, जिसमें से केवल 1.28 करोड़ टन का उत्पादन घरेलू स्तर पर किया गया था, जबकि बाकी का आयात किया गया था। भारत का 85-90 प्रतिशत आयात सऊदी अरब जैसे देशों से आता है जो आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर हैं। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच एक सप्ताह से जारी संघर्ष के कारण यह समुद्री मार्ग बंद हो गया है।

भारत में तेलशोधन क्षमता पर्याप्त होने के बावजूद तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के उत्पादन में कमी को देखते हुए सरकार ने रिफाइनरियों को इसका उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री अंबरपेट सर्विस रोड का काम पूरा करने के लिए हस्तक्षेप करें : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से यहां अंबरपेट में फ्लाईओवर के नीचे एक महत्वपूर्ण 'सर्विस रोड' के निर्माण के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण को पूरा करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि फ्लाईओवर का उद्घाटन 2025 में हो गया था, लेकिन सर्विस रोड का काम अब भी अधूरा है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है।

सिकंदराबाद से लोकसभा सदस्य किशन रेड्डी ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन और

राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने हैदराबाद में यातायात की भीड़ को कम करने और यात्रा के समय को घटाने के लिए एनएच-163 पर अंबरपेट चौराहे पर 1.5 किलोमीटर लंबा चार लेन वाला फ्लाईओवर 265 करोड़ रुपए की लागत से बनाया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस फ्लाईओवर का उद्घाटन पांच मई, 2025 को किया था।

रेड्डी ने कहा, ''चूंकि भूमि अधिग्रहण अभी तक पूरा नहीं हुआ है, इसलिए फ्लाईओवर के नीचे की सर्विस रोड अब भी अधूरी है, जबकि फ्लाईओवर का निर्माण और उद्घाटन हो चुका है। भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर का उपयोग करने वाले यात्रियों को असुविधा हो रही है।'' उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त से बातचीत करने और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव एवं वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से कई बार अपील करने के बावजूद, भूमि अधिग्रहण का काम रुका हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश देने की अपील की ताकि संबंधित मुद्दे का समाधान हो सके।

एनएचएआई ने 1,140 टोल प्लाजा पर 5,100 महिला कर्मचारियों को तैनात किया

नई दिल्ली/भाषा। महिला सशक्तीकरण और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने देशभर के 1,140 से अधिक टोल प्लाज़ा में दिन की पाली में टोल बूथ संचालित करने के लिए 5,100 से अधिक महिला कर्मचारियों को तैनात किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अग्रिम पंक्ति की परिचालन भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर एनएचएआई का लक्ष्य देश भर के टोल प्लाजा पर सेवा वितरण में सुधार के साथ-साथ सामाजिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय टोल प्लाजा संचालकों और नेशनल हाइवेज बिल्डर फेडरेशन एवं हाइवे ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचओएआई) जैसे प्रमुख उद्योग संघों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। सभी संबंधित पक्ष दिन की पाली के दौरान उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) संग्रह के लिए महिला कर्मचारियों को तैनात करने पर एकमत हुए हैं। बयान में कहा गया कि अब तक 5,100 से अधिक महिला कर्मचारी तैनात की जा चुकी हैं और निकट भविष्य में इस संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

प. एशिया संकट के मद्देनजर चार हवाई अड्डों पर 140 से अधिक उड़ानें रद्द

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया संकट से उड़ानों का संचालन भी प्रभावित हुआ है और शुक्रवार को मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु व कोलकाता हवाई अड्डों पर 140 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। यद्यपि कई एयरलाइन ने आंशिक रूप से परिचालन शुरू कर दिया है और उनमें से कुछ पश्चिम एशिया के कुछ गंतव्यों के लिए सीमित सेवाएं संचालित कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि चारों हवाई अड्डों पर कम से कम 142 उड़ान रद्द की गईं, जिनमें से मुंबई हवाई अड्डे 39 प्रस्थान और 34 आगमन उड़ान रद्द की गईं। बेंगलूरु हवाई अड्डे पर कुल 33 उड़ानें रद्द हुईं, जिनमें 15 प्रस्थान और 18 आगमन उड़ानें थीं। दिल्ली हवाई अड्डे पर 15 प्रस्थान उड़ानें और 14 आगमन उड़ानें रद्द की गई हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कोलकाता हवाई अड्डे पर कुल सात उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिनमें चार प्रस्थान और तीन आगमन उड़ानें थीं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने हवाई संचालन को प्रभावित किया है क्योंकि पश्चिम एशिया के कुछ हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है। 'अकासा एयर' ने कहा कि वह शुक्रवार को मुंबई-जेद्दा-मुंबई उड़ान संचालित करेगी। एयरलाइन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि शनिवार को वह मुंबई, अहमदाबाद और कोच्चि से जेद्दा के लिए उड़ानें संचालित करेगी। इससे पहले दिन में स्पाइसजेट ने कहा था कि वह संयुक्त अरब अमीरात में फंसे हुए यात्रियों को वापस लाने के लिए 14 विशेष उड़ानें संचालित करेगी। बृहस्पतिवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि वह पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

ईरान संघर्ष: ईंधन आपूर्ति ठप होने से गुजरात के मोरबी में लगभग 100 सिरेमिक इकाइयां बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोरबी (गुजरात)/भाषा। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच युद्ध के कारण ईंधन आपूर्ति में आए व्यवधान के चलते गुजरात के मोरबी जिले में लगभग 100 सिरेमिक विनिर्माण इकाइयां बंद हो गई हैं।

उद्योग प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो अगले कुछ दिनों में अन्य 400 कारखाने भी बंद हो सकते हैं।

मोरबी सिरेमिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (विट्रीफाइड टाइल्स खंड) के अध्यक्ष मनोज अरवड़िया ने कहा कि यदि प्रोपेन गैस की आपूर्ति बहाल नहीं होती है और आपूर्तिकर्ता स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने में विफल रहते हैं, तो आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। अरवड़िया ने संवाददाताओं से कहा, ''युद्ध जैसी मौजूदा स्थिति के कारण पिछले दो दिनों से प्रोपेन गैस उपलब्ध नहीं है और ईंधन पर निर्भर लगभग 100 इकाइयां पहले ही बंद हो चुकी हैं।'' उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आपूर्ति की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो प्रोपेन का उपयोग करने वाली लगभग 400 और इकाइयां एक सप्ताह के भीतर परिचालन बंद करने के लिए मजबूर हो सकती हैं।

मोरबी दुनिया के सबसे बड़े सिरेमिक विनिर्माण केंद्रों में से एक है, जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद बनाने वाली सैकड़ों इकाइयां स्थित हैं।

अरवड़िया ने कहा कि गुजरात गैस द्वारा आपूर्ति की जाने वाली गैस पर निर्भर इकाइयां वर्तमान में चल रही हैं, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण उनका भविष्य भी अनिश्चित दिख रहा है। उन्होंने कहा, ''गुजरात गैस के ग्राहक अभी भी काम कर रहे हैं, लेकिन यदि हम वर्तमान उपलब्धता (जो लगभग 50 प्रतिशत है) के आधार पर गणना करें, तो वे इकाइयां भी 20 मार्च तक बंदी का सामना कर सकती हैं।''

ईंधन आपूर्ति में व्यवधान ने निर्यात प्रतिबद्धताओं को भी प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''निर्यात के जो ऑर्डर हम पहले ही तैयार कर चुके हैं, उन्हें भेजा नहीं जा सकता। कई नए निर्यात ऑर्डरों को भी रोक दिया गया है।''

उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के लिए भी स्थिति गंभीर है। अरवड़िया ने कहा कि संकट के बावजूद कारखाने अधिकांश मजदूरों को काम पर रखे हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्थिति पर चिंता व्यक्त की है और उद्योग को सहायता प्रदान करने के लिए जानकारी मांगी है।

फ्लिपकार्ट ने 'वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा' के बाद 300 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा के बाद 250-300 कर्मचारियों की छंटनी की है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। छंटनी कई विभागों और कर्मचारियों के स्तर पर की गई है।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली यह कंपनी एक ओर जहां अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले वरिष्ठ स्तर पर नियुक्तियां कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

फ्लिपकार्ट ने बयान में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बताए बिना कहा, हम नियमित रूप से प्रदर्शन समीक्षा करते हैं, जो स्पष्ट रूप से तय किए गए मानकों के अनुसार होती है। इस प्रक्रिया के दौरान, कर्मचारियों का एक छोटा हिस्सा कंपनी छोड़ सकता है। हम प्रभावित कर्मचारियों को नौकरी बदलने या नए अवसर खोजने में मदद प्रदान कर रहे हैं।''

हालांकि, सूत्रों ने प्रभावित कर्मचारियों की संख्या 250 से 300 के बीच बताई है। दिसंबर, 2025 में फ्लिपकार्ट को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से अपना वैधानिक मुख्यालय सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की मंजूरी मिल गई थी। इसे घरेलू शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की योजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

इस पुनर्गठन का उद्देश्य समूह की होल्डिंग संरचना को सरल बनाना और अपने फैशन, स्वास्थ्य और लॉजिस्टिक्स व्यवसायों को सुव्यवस्थित करना है। इसके तहत भारतीय नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप सिंगापुर स्थित आठ इकाइयों का फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड में विलय किया गया है। साथ ही, फ्लिपकार्ट ने अपनी वरिष्ठ नेतृत्व टीम को मजबूत किया है। हाल के महीनों में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां हुई हैं, जिनमें सोमनाथ दास (उपाध्यक्ष, आपूर्ति शृंखला), दिग्विजय मिश्रा (उपाध्यक्ष, कॉरपोरेट संचार), विपिन कपूरिया (उपाध्यक्ष, व्यावसायिक वित्त), योगिता शानभाग (उपाध्यक्ष, मानव संसाधन) और अमेर हुसैन (उपाध्यक्ष, आपूर्ति शृंखला ग्रॉसरी और त्वरित वाणिज्य) शामिल हैं।

■ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 219 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 07-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 घुसपैठियों को बचाने के लिए कोलकाता में धरने पर बैठी हैं ममता बनर्जी : गिरिराज सिंह

6 ईरान की उथल-पुथल : वैश्विक राजनीति के लिए गहरी सीख

7 आत्मसमान से समझौता नहीं : भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

कोसोवो की राष्ट्रपति ने संसद भंग करने की दिशा में कदम बढ़ाया

प्रिस्टीना/एपी। कोसोवो की राष्ट्रपति वोजोसा उस्मानी ने शुक्रवार को संसद भंग करने की घोषणा की। उस्मानी ने यह फैसला उनके उत्तराधिकारी का चुनाव न हो पाने के बाद जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए लिया। इस घटनाक्रम ने बाल्कन देश में एक नया संकट खड़ा कर दिया है, जहां लगभग एक साल से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के बाद दिसंबर में अचानक चुनाव हुए थे। कोसोवो की संसद में बृहस्पतिवार मध्यरात्रि तक उस्मानी के स्थान पर नए राष्ट्रपति का चुनाव होना था लेकिन 120 सदस्यीय सदन में सदस्यों की संख्या कम होने के कारण मतदान नहीं हो सका। उस्मानी ने 2021 में पदभार संभाला था। प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती ने राष्ट्रपति का चुनाव न हो पाने के लिए विपक्ष द्वारा सत्र के बहिष्कार को जिम्मेदार ठहराया।

भारत ने कोच्चि में ईरानी नौसैनिक जहाज को आपातकालीन डॉकिंग की अनुमति दी : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका द्वारा ईरानी युद्धपोत आइरिस डेना को टॉरपीडो से डुबाने से कुछ दिन पहले, भारत ने कोच्चि में एक अन्य ईरानी नौसैनिक जहाज में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे आपातकालीन स्थिति में खड़े होने की (डॉक) अनुमति दी थी। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जहाज को चार मार्च को 183 चालक दल के सदस्यों के साथ कोच्चि में खड़ा किया गया। सूत्रों ने कहा कि जहाज आइरिस लावन में तकनीकी समस्याएं आ गईं और ईरानी पक्ष के अनुरोध के बाद एक मार्च को आपातकालीन 'डॉकिंग' की मंजूरी दी गई।

भारत को हुए तेल निर्यात का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं करेंगे : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत को किए जाने वाले कच्चे तेल निर्यात के आंकड़े सार्वजनिक नहीं करेगा और इसे 'बहुत से बुरा चाहने वालों' से छिपाकर रखेगा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के बाद की जिसमें पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने की बात कही गई है। पेसकोव ने भारत को दिए गए तेल के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''नहीं, हम साफ वजहों से मात्रा का कोई आंकड़ा नहीं देने जा रहे हैं।

07-03-2026 सूर्यास्त 6:18 बजे | 08-03-2026 सूर्योदय 6:20 बजे

BSE	NSE
78,918.90	24,450.45
(-1,097.00)	(-315.45)

सोना	चांदी
16,692 रु.	276,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सड़कों के राजा

हम तो हैं सड़कों के राजा,
ताकत है गुर्राने की।
नहीं जरूरत पड़ी आज तक,
कागजात दिखलाने की।
लाल बत्तियां सीट बेल्ट सब,
बातें है भरमाने की,
पर्स अगर भारी है तो फिर,
क्या चिंता जुर्माने की।।

बेंगलूरु को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर बनाएंगे : सिद्दरामय्या

सिद्दरामय्या ने पेश किया अपना 17वां बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए कई कार्यक्रमों की घोषणा की और कहा कि उनकी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलूरु को ''दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर'' बनाना है। उन्होंने 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगम अपनी बैलेंस शीट' (किसी कंपनी, संगठन या व्यक्ति की वित्तीय स्थिति का सारांश) के आधार पर 'नगर निगम बांड' जारी करके विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाएंगे। सिद्दरामय्या ने कहा, ''बेंगलूरु महज एक शहर नहीं बल्कि यह अनगिनत सपनों की भूमि है। नादप्रभु केम्पेगौड़ा के प्रशासन से लेकर आज की स्टार्टअप क्रांति तक, इस शहर ने अपनी अनूठी पहचान बरकरार रखी है। हमारी सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बेंगलूरु को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर बनाना है।'' उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के पांच नगर निगमों में वार्ड सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास का कार्य कुल 1,255 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु के लोगों को पारदर्शी, जनहितैषी, सहभागी और उत्तरदायी शासन प्रदान करने के लिए ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण और पांच निगमों की स्थापना की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार ने बेंगलूरु के विकास के लिए अनुदान को 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह अनुदान चालू वर्ष में भी जारी रहेगा।''

माओवादियों का सफाया करने के कगार पर भारत : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंडाली (ओडिशा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश इस महीने के अंत तक माओवादियों का सफाया करने के कगार पर है और सुरक्षा बल आंध्र प्रदेश के तिरुपति से नेपाल के पशुपति तक लाल गलियारा बनाने का सपना देखने वालों को पराजित करेंगे।

शाह ने कटक जिले के मुंडाली में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सीआईएसएफ प्रमुख प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''आज, मैं राष्ट्र को आश्वस्त करना चाहता हूं कि देश 31 मार्च तक माओवादियों से मुक्त हो जाएगा। हमारी सेनाएं तिरुपति से पशुपति तक लाल गलियारा बनाने का सपना देखने वालों को पराजित करेंगी।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा, ''हमारे सुरक्षा बल अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं और देश अब लाल विद्रोहियों का सफाया करने के कगार पर है।''

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बलों ने आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित की है जो किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है।

शाह ने कहा कि सीआईएसएफ जलाशयों और उद्योगों से लेकर संसद तक प्रमुख प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बल ने ''देश की आर्थिक वृद्धि के लिए उत्प्रेरक'' की भूमिका निभाई है।

ईडी ने रिलायंस पावर से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर लिमिटेड' से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रिलायंस पावर ने अपने परिसर या कार्यालय में संघीय जांच एजेंसी द्वारा छापेमारी किए जाने की बात को पूरी तरह नकार दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी की करीब 15 टीम छापेमारी की कार्रवाई कर रही हैं। रिलायंस पावर ने 'स्टॉक एक्सचेंज' को दिए गए एक बयान में कहा कि ''हमारी जानकारी के अनुसार, कंपनी के किसी भी कार्यालय या परिसर में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।'' ईडी, कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले के तहत अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों की जांच कर रही है और इसके साथ ही विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की भी जांच की जा रही है।

ईरान और लेबनान पर इजराइल ने किए कई हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान और लेबनान की राजधानियों पर हवाई हमले किए जबकि अमेरिका ने ईरान के युद्धपोतों के बेड़े के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के तहत समुद्र में एक ईरानी ड्रोन वाहक पोत पर हमला किया।

ईरान ने पूरे सप्ताह चली बमबारी के बाद पश्चिम एशिया में फिर से जवाबी हमले शुरू कर दिए। इन हमलों के बारे में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि बमबारी ''तेजी से बढ़ने वाली है''।

इजराइल की सेना ने शुक्रवार की सुबह कहा कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान पर ''बड़े पैमाने पर हवाई हमले'' शुरू कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने इजराइली हवाई हमलों को बहुत तेज बताया, जिससे इलाके में स्थित कई आवासीय इमारतों में कंपन हुआ। अन्य लोगों ने ईरान के करमानशाह शहर के आसपास विस्फोटों की सूचना दी है।

ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक कोई समझौता नहीं होगा : ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ बातचीत की संभावना को खारिज करते हुए प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने कहा, उसके बाद, और एक महान एवं स्वीकार्य नेता के चयन के बाद, हम तथा हमारे कई अद्भुत और बहादुर सहयोगी एवं साझेदार ईरान को विनाश के कगार से वापस लाने के लिए अथक प्रयास करेंगे, और इसे आर्थिक रूप से पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर एवं मजबूत बनाएंगे।

शस्त्रविहीन जहाज को डुबोने पर ईरान ने कहा:

दंड से नहीं बचेगा अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान का टकराव अब तेहरान के लिए 'अस्तित्व का युद्ध' बन गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के सिलसिले में 'मनमानी' करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने 'पूरी तरह से झूठ' की बुनियाद पर ईरान पर हमला किया और तेहरान के पास इस आक्रामकता का 'आखिरी गोली तक' विरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पश्चिम एशिया में युद्ध तेज हो गया है जिससे एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी युद्धपोत का डुबोए जाने का हवाला देते हुए खतीबजादेह ने चेतावनी दी कि ''बिना शस्त्र वाले जहाज पर हमले की सजा जरूर दी जाएगी।''

स्टालिन ने 2030 के लिए दृष्टिपत्र जारी किया, कहा

'देश को समतावादी बनना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को 'तमिलनाडु 2030' के लिए दृष्टिपत्र जारी किया, जिसमें 14 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश में समानता स्थापित होनी चाहिए और हर जगह सामाजिक न्याय रेखांकित होना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि सभी राज्यों को स्व-स्वायत्तता मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नन्दंबक्कम स्थित चेन्नई ट्रेड सेंटर' में राज्य सरकार की पहल 'उंगा कनावु सोल्लुंगा' पर आयोजित एक चर्चा में कहा, यह केवल मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन का सपना नहीं बल्कि जनता का सपना है। आकांक्षाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिलावार कार्य योजनाएं तैयार की जाएंगी। उन्होंने कहा, हमारा देश समतावादी होना चाहिए। सामाजिक न्याय सर्वत्र होना चाहिए। सभी राज्यों को स्व-स्वामित्व मिलना चाहिए और सभी को सब कुछ मिलना चाहिए। यही तर्कवादी नेता पेरियार रामासामी और पूर्व मुख्यमंत्रियों सी.एन. अन्नादुरई व एम. करुणानिधि की भी आकांक्षा थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इन सभी को साकार कर हम 2030 तक तमिलनाडु को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देंगे। हम (द्रमुक) सत्ता में वापस आएंगे, बार-बार जीतेंगे। तमिलनाडु के विकास की इस यात्रा में हम किसी को भी पीछे नहीं छोड़ेंगे।'

राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में

लोग अंधकार की तरफ बढ़ रहे हैं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम (केरल)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में लोग ''अंधकार की ओर बढ़ रहे हैं' और ज्ञान से दूर हो रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है और असहमति से मुकाबला करने के लिए हिंसा का सहारा लिया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, ''आज हम अपनी राजनीति में, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में देखते हैं कि हर कोई अंधकार की ओर भाग रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जाती है, आप बस उन्हें बम से उड़ा देते हैं और मार देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारी राजनीति में भी ऐसा ही है। आप किसी से सहमत नहीं हैं, आप उस व्यक्ति पर हमला करते हैं या उनके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह यहां महात्मा गांधी और सुधारवादी संत श्री नारायण गुरु के बीच हुई मुलाकात के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ऐसी हिंसा के खिलाफ थे और लोगों के बीच प्यार, सम्मान, क्षमा और समझ की पैरोकारी करते थे। राहुल गांधी के अनुसार, किसी के लिए भी नारायण गुरु की प्रतिमा या तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित करना आसान है, लेकिन चुनौती उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करने की है।

आंध्र प्रदेश शराब 'घोटाला' मामले में ईडी ने 441 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

अमरावती/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में शामिल विभिन्न आरोपियों की 441 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली है। यह घोटाला कथित तौर पर राज्य में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुआ था। जब्त की गई संपत्तियों में मुख्य आरोपी केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं, अन्य आरोपियों जैसे बूनेटी चाणक्य और उनकी संबंधित संस्थाओं और रिश्तेदारों, और डोंथिरेड्डी वासुदेव रेड्डी की संस्थाओं के अलावा कुछ अन्य लोगों से संबंधित बैंक जमा, सावधि जमा, भूखंड और अन्य अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने एक बयान में कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद, नवगठित राज्य सरकार (मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी नेता जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में) ने आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) द्वारा संचालित सरकारी खुदरा दुकानों (जीआरओ) के माध्यम से खुदरा शराब की दुकानों पर एकाधिकार स्थापित कर लिया।

असम के कार्बी आंगलोंग में

सुखोई-30 एमकेआई विमान दुर्घटना में वायु सेना के दो पायलट की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से भारतीय वायुसेना के दो पायलट की मौत हो गई। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारतीय वायु सेना ने रूसी मूल के विमान के लापता होने के एक दिन बाद, शुक्रवार को स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर की मौत की पुष्टि की। सुखोई-30 लड़ाकू विमान बृहस्पतिवार शाम असम के कार्बी आंगलोंग जिले के ऊपर उड़ान भरते समय रडार से ओझल हो गया था।

भारतीय वायु सेना ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि प्रशिक्षण मिशन पर निकला सुखोई-30एमकेआई विमान जोरहाट से लगभग 60 किलोमीटर दूर कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''वायु सेना स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है। सुखोई-30 विमान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी मौत हो गई। वायुसेना के सभी कर्मी शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और दुख की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि रूसी मूल के विमान के साथ संपर्क बृहस्पतिवार रात सात बजकर 42 मिनट पर टूट गया था।

वायुसेना ने बृहस्पतिवार देर रात पुष्टि की कि रडार से ओझल हुआ सुखोई-30एमकेआई विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

सुखोई 30 एमकेआई रूसी विमान निर्माता सुखोई द्वारा विकसित दो सीट वाला लंबी दूरी का बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। अब भारत में लाइसेंस के तहत एचएएल इसका निर्माण करता है। वायुसेना के पास 260 से अधिक सुखोई-30एमकेआई विमान हैं।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में जून 2024 में एक सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जनवरी 2023 में ग्वालियर वायुसेना अड्डे से उड़ान भरने के बाद एक अन्य सुखोई-30 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

भविष्य अधिक बहुध्रुवीय होगा : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य अधिक बहुध्रुवीय होगा और बड़े देशों द्वारा प्रभाव डाले जाने तथा उनके व्यापक समझौतों तक पहुंचने का युग प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है।

'रायसीना डायलॉग' में एक संवाद सत्र के दौरान जयशंकर ने कहा कि बहुध्रुवीयता यहां कायम होगी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि आपका भविष्य बहुत अधिक बहुध्रुवीय होगा क्योंकि आज किसी भी देश के पास व्यापक क्षेत्रों पर आधिपत्य नहीं है...।'' उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और क्षमताओं के वितरण के बारे में नहीं है, और दुनिया के विभिन्न हिस्सों का अलग-अलग क्षेत्रों में अधिक योगदान होगा।

विदेश मंत्री ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की किताब 'द ट्राएंगल ऑफ पावर' पर चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, बहुध्रुवीयता यहां बनी रहेगी...एक हद तक यह होगा कि कुछ बड़े देश सीमित मुद्दों पर अस्थायी समझौता करेंगे।

हम अपने एकत्व को नहीं पहचानते इसलिए युद्ध हो रहे हैं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवर को कहा कि हम अपने एकत्व को नहीं पहचानते, इसलिए दुनिया भर में कलह थमती नहीं है और युद्ध चलते रहते हैं। भागवत ने कहा कि लोग मन की करूणा भूल गए हैं और इस सत्य को भूल गए कि हम दिखते अलग अलग हैं लेकिन हम सब एक हैं। संघ प्रमुख जैसलमेर में जैन समुदाय के 'चादर महोत्सव' के उद्घाटन के अवसर पर 'धर्म सभा' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मन की करूणा लोग भूल गए हैं... क्योंकि (इस) सत्य को भूल गए कि हम दिखते अलग-अलग हैं, लेकिन हम सब एक हैं। इसलिए कलह कभी थमती नहीं, युद्ध चलते रहते हैं।

उन्होंने कहा, पहला महायुद्ध हुआ ... यह फिर से न हो इसलिए 'लीग आफ नेशंस' की स्थापना हुई। लेकिन वह नहीं चली। फिर दूसरा महायुद्ध हुआ। यह फिर से न हो इसलिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। लेकिन अब देख रहे हैं कि क्या हालात हैं। वह अपनी जगह पर है, निष्प्रभावी है। जो युद्ध चल रहे हैं वे थम नहीं रहे। भागवत ने कहा, 'ये झगड़े क्यों होते हैं? ... हम पहचानते नहीं हमारे एकत्व को। इसलिए झगड़े होते हैं।'

उन्होंने कहा, 'समय बड़ा कठिन है। और समय के साथ अपने देश की, अपने समाज, अपने धर्म की होड़ है। आक्रमण वगैरह तो है ही। ये आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं कि हम लोग सोए हैं.. हम लोग बटें हैं।' उन्होंने कहा, हमलोग अपने जीवन में भेद व स्वार्थों को तिलांजलि दे दें और देश के लिए जीने मरने पर उतारू हो जाएं तो हमारा समाज अच्छा बनेगा। हमारे सारे भेद व कलह समाप्त हो जायेंगे। भारत देश परम वैभव संपन्न तो बनेगा ही ...लेकिन विश्वगुरु बनकर एक नयी सुखी सुन्दर दुनिया को जन्म देगा।

आपसी सद्भाव का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, 'कहीं विवाद को सुलझाना है तो समझौता उसका रास्ता नहीं होता। तर्क उसका रास्ता नहीं होता। उसका रास्ता होता है सद्भावना। तभी हल निकलता है। बिना सद्भावना के हल नहीं निकलता। इसलिए उस सद्भावना को लेकर धीरे धीरे हमको पूरे समाज को तैयार करना है।'

उन्होंने कहा, 'सब कलह मिट जाएं। हम सब खड़े हो जाएं... दुनिया में धर्म की रक्षा करने के लिए दुनिया के और सारे लोगों को अपने अपने रुचि, प्रकृति, परंपरा के अनुसार मोक्ष मार्ग मिले, संप्रदाय मिले, इसके लिए दुनिया एक नई सुंदर सुखी दुनिया बने इसके लिए हम को पहले एक भेदरहित, स्वार्थरहित... समतायुक्त, शोषणमुक्त समाज बनके खड़ा होना है।' महोत्सव स्थल पर पहुंचने से पहले भागवत सोनार किले की गलियों में ई-रिक्शा से घूमे और पार्श्वनाथ जैन मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने दादा गुरुदेव की स्मृति में एक स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट का भी विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरी जी की पावन निश्रा में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय चादर महोत्सव के तहत शनिवार को विश्वभर में एक साथ एक करोड़ आठ लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का ऐतिहासिक महासंकल्प रहेगा। निर्धारित समय पर देश विदेश में श्रद्धालु एक साथ पाठ करेंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सिविल सेवा परीक्षा में अव्वल रहे अनुज को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले अनुज अग्निहोत्री को बधाई दी है। शर्मा ने कहा कि अनुज की यह उपलब्धि राज्य के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। उल्लेखनीय है कि आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा-2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए जिसमें अनुज अग्निहोत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अनुज राजस्थान के रावतभाटा के रहने वाले हैं।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा,यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाने वाले राजस्थान के सपूत अनुज अग्निहोत्री को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं! आपकी यह अभूतपूर्व उपलब्धि राज्य के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। उन्होंने कहा,परीक्षा में सफल हुए सभी अन्य अभ्यर्थियों को भी हार्दिक शुभकामनाएं! मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी पूर्ण निष्ठा से 'राष्ट्र सेवा' का संकल्प सिद्ध करेंगे।

सीकर जिले में महिला की हत्या, पुलिस कर रही पति की तलाश

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में एक महिला का शव रेलवे अंडरपास के नजदीक मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि महिला के पति पर ही उसकी हत्या करने का संदेह है और उसकी (पति की) तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मृत महिला की पहचान झुंझुनू जिले की ममता के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोगों को रानोली थानाक्षेत्र में गोरिया रेलवे अंडरपास के पास उसका शव नजर आया और फिर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच से पता चलता है कि महिला के पति अजय ने उसकी हत्या की और बाद में शव अंडरपास के पास फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है और महिला के पति की भी तलाश की जा रही है।

सर्विस रिवॉल्वर से गोली लगने से पुलिस के एएसआई की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा में शुक्रवार को सर्विस रिवाल्वर से दुर्घटनावश गोली चल जाने से पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुई। उन्होंने बताया कि एएसआई महावीर सिंह घर पर अपनी सर्विस रिवाल्वर से कारतूस निकाल रहे थे। इसी दौरान रिवाल्वर से दुर्घटनावश गोली चल गई जो एएसआई के सिर में लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक सज्जन सिंह के अनुसार, प्रथम दृष्टया तो दुर्घटना ही लग रही है। जांच टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, एएसआई महावीर सिंह की कुछ दिन पहले ही पदोन्नति हुई थी।

औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग लगी, कोई हताहत नहीं : पुलिस

जयपुर। जयपुर के बिंदायका औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक कूलर बनाने वाले एक कारखाने में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसके अनुसार, इस कारखाने में गैस सिलेंडर भी रखे थे जिनसे बड़े हादसे का खतरा था। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इसके अनुसार, तीन मंजिला इमारत में आग लगी और इसकी ऊपरी मंजिल पर कई गैस सिलेंडर थे। दमकल कर्मियों ने अन्य बचाव कर्मियों की मदद से 11 सिलेंडर सुरक्षित रूप से निकाल लिए। हालांकि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से आसपास के इलाके को बंद कर दिया था और यातायात अन्य मार्गों से निकाला गया।

अजमेर में नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी : मंत्री

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि अजमेर शहर में नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और पिछले छह महीने में जारी किए गए पट्टों की जांच करवाई जाएगी। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राज्य विधानभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने में अजमेर नगर निगम द्वारा जारी सभी पट्टों की जांच अतिरिक्त जिला कलेक्टर स्तर पर की जा जाएगी। स्वायत्त शासन मंत्री विधायक रविंद्र सिंह भाटी द्वारा लाए गए ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि नियम विरुद्ध पट्टे ज़ारी करने के एक प्रकरण में अजमेर नगर निगम के चार कार्मिकों उपायुक्त (विकास) कीर्ति कुमावत, वरिष्ठ प्रारुपकार सुरेश चौधरी, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) राजेश मीणा और कनिष्ठ सहायक सादिक हुसैन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। स्वायत्त शासन मंत्री ने बताया कि जिला कलेक्टर अजमेर को यह प्रकरण जांच के लिए सौंपा जा रहा है, उनकी देखरेख में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रैंक के एक अधिकारी द्वारा दो सप्ताह में इस पूरे प्रकरण एवं गत छह माह में नगर निगम द्वारा ज़ारी पट्टों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट में जो भी कार्मिक दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में मार्च में ही मई जैसा अहसास : बाड़मेर 38.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म, 40 के पार जा सकता है पारा

जयपुर। राजस्थान में इस बार मार्च की शुरुआत ने ही भीषण गर्मी के साथ सबको चौंका दिया है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया जा रहा है, जिससे लोग अभी से चिलचिलाती धूप का सामना करने को मजबूर हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य का सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.3 डिग्री अधिक है। इसके अलावा जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और पिलानी जैसे जिलों में भी पारा 37 डिग्री के पार पहुँच चुका है।

मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु के ष्टिगत सुचारू पेयजल व्यवस्था बनाने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सुचारू पेयजल व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च), सिविल सेवा दिवस-2026 (21 अप्रेल) से सम्बंधित आयोजनों के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आगामी गर्मी के मौसम में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए गए पर्याप्त इंतजाम की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायत निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और अवैध कनेक्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी साप्ताहिक समीक्षा बैठकों और फील्ड विजिट के माध्यम से जलापूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी करें ताकि आमजन को राहत मिल सके।

बैठक में बताया कि ग्रीष्मकाल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए प्रत्येक जिले को 1 करोड़ रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है। हैंडपंप मरम्मत अभियान के लिए वाहन एवं लेबर की व्यवस्था आगामी 10 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जल परिवहन की दरों का निर्धारण और आकस्मिक कार्यों के सभी वर्क ऑर्डर आगामी 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से जारी किए जाएंगे। इस के साथ ही जल जीवन मिशन की योजनाओं को सुचारू रखने और बंद योजनाओं को पुनः चालू करने के लिए जिला कलेक्टर को मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। टैंकरों से जलापूर्ति पेयजल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से टैंकरों द्वारा जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक में 8 मार्च को मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की तैयारियों को जायजा लिया। प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग भवानी सिंह देथा ने इस अवसर पर जिलेवार होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की । मुख्य सचिव ने आधिकारियों से कहा कि बजट में सरकार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो योजनाएं धरातल पर उतारी हैं उसके बारे में महिलाओं को जानकारी होना जरूरी है । इस दिवस का उपयोग हम इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार के रूप में कर सकते हैं।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कहा कि सिविल सेवा दिवस में भाग लेना अपने आप में एक सुखद अनुभव है। इस दिवस के माध्यम से हम प्रशासनिक तंत्र को और अधिक जिम्मेदार तथा जन केन्द्रित बना सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों से ईमानदारी, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ काम करने का आह्वान किया। जिलों में बेहतर कार्य करने वाले, नवाचार लाने वाले और जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने से लोगों को आपके कार्यों के बारें में जानकारी मिलती है। उन्होंने सभी सचिवों और अधिकारियों से सीएम एक्सीलेंस अवार्ड के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में आवेदन करने को कहा।

नागरिक सुरक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा एवं स्वयं सेवक समूह को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नागरिक सुरक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष से आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा कि वेबसाइट द्वारा विभाग के विजन एवं मिशन, योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगठनात्मक ढांचे एवं पंजीकृत स्वयंसेवकों से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जायेगी। वेबसाइट पर भारत सरकार द्वारा जारी नागरिक सुरक्षा कंपेडियम, नागरिक सुरक्षा कार्य एवं नियम, नागरिक सुरक्षा के सामान्य सिद्धांत, नागरिक सुरक्षाओं की विस्तृत जानकारी, विभाग द्वारा जारी वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट, विभाग से संबंधित नवीनतम आदेश, परिपत्र, दिशा-निर्देश और अधिसूचना इत्यादी उपलब्ध रहेंगे।

वेबसाइट पर विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं जैसे भीषण लू, बाढ़, शीतलहर, चक्रवात, भूकंप, युद्ध कालीन आपात स्थिति, हवाई हमले, ब्लैक आउट एवं अग्नि दुर्घटनों के दौरान क्या करें और क्या न करें की उपयोगी जानकारी उपलब्ध रहेगी। विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविरों, मोक ड्रिल एवं जन जागरुकता कार्यक्रमों के विवरण सहित आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रक्रिया हेतु आपातकालीन नंबर, जिलेवार संपर्क सूची एवं वरिष्ट अधिकारियों की जानकारी भी रहेगी।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि यह वेबसाइट न केवल विभाग की कार्यक्षमता में वृद्धि करेगी बल्कि संकट के समय आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय डिजिटल साथी के रूप में भी कार्य करेगी। इसके माध्यम से नागरिक सुरक्षा विभाग से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां, योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वयंसेवक पंजीकरण तथा आपदा के समय अपनाए जाने वाली आवश्यक सावधानियां एक ही मंच पर सहज रूप से उपलब्ध होंगी।

केन्द्र सरकार की लेट लतीफी के कारण अटकी रही कोटा हवाई अड्डा परियोजना : अशोत गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की लेट लतीफी के कारण कोटा हवाई अड्डा परियोजना लगभग चार साल तक अटकी रही। गहलोत ने उम्मीद जताई है कि अब शिलान्यास के बाद इस परियोजना का काम तेजी से पूरा होगा। गहलोत ने एक बयान में कहा, कल कोटा हवाई अड्डे का शिलान्यास होने जा रहा है, जिसकी पहल हमारी कांग्रेस सरकार ने की थी।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोटा में एक जनसभा के दौरान वहां की जनता से हवाई अड्डा बनाने का वादा किया था। उसे हकीकत बनाने के लिए हमारी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 1250 एकड़ जमीन कोटा में हवाई अड्डे के लिए 2021 में निशुल्क आवंटित की। 2022 में यहां से बिजली लाइनों को स्थानांतरित करने के लिए 120 करोड़ रुपए का बजट भी स्वीकृत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार की लेट लतीफी के कारण यह परियोजना करीब चार साल तक अटकी रही। अब आशा है कि शिलान्यास के बाद इसका काम तेजी से पूरा होगा एवं निर्माण कार्य भी गुणवत्तापूर्ण होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 'चंबल रिवरफ्रंट' जैसी विश्वस्तरीय परियोजना देकर कोटा को पर्यटन का 'केंद्र' बनाने का प्रयास किया जिससे पर्यटकों की आवक कोटा में बढ़े। हालांकि भाजपा सरकार की उपेक्षा के कारण 'रिवर फ्रंट' में न रेस्टोरेंट खुल पाए हैं और न ही दूसरी सुविधाओं का विकास हुआ है।

उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार को 'रिवर फ्रंट' का और विकास करना चाहिए एवं इसका अच्छे से रखरखाव करना चाहिए जिससे हाड़ौती में पर्यटन बढ़ सके एवं हवाई अड्डे का बनना भी सार्थक हो सके।

आरएसएमएम के संगतराश नवाचार से खनिज ओवरबर्डन और वेस्ट मेटेरियल होगा रिसाइकल : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया है कि राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स द्वारा नवाचारों के तहत झामरकोटड़ा खनन क्षेत्र के ओवरबर्डन व वेस्ट मेटेरियल को रिसाइकल करते हुए आधुनिक और समकालीन मूर्तिकला 'मॉडर्न एण्ड कंटेम्परेरी स्कल्पचर' के लिए उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आरएसएमएम द्वारा संगतराश नाम से इनोवेटिव कार्यक्रम आरंभ किया गया है। मुख्य सचिव एवं आरएसएमएम के चेयरमेन वी. श्रीनिवास शुक्रवार को सचिवालय में आरएसएमएम की 422 वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम का संगतराश नवाचार पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक व गुड गवर्नेंस दायित्व की दिशा में बढ़ता कदम हैं। उन्होंने बताया कि खानों में खनन के दौरान ओवरबर्डन और वेस्ट मैटेरियल के कारण पर्यावरण प्रदूषण व अपशिष्ट के उपयोग नहीं होने से विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि संगतराश नवाचार से जहां एक और आधुनिक और समकालीन शिल्पकला को प्रोत्साहन मिलेगा वहीं युवाओं को रोजगार और आय के साधन विकसित होंगे।

श्रीनिवास ने आरएसएमएम के केमिकल फर्टिलाइजर रॉक फास्फेट-जिप्सम आदि की जीरो लॉस तकनीक से उत्पादन बढ़ाने और किसानों तक उपलब्ध कराने पर जोर दिया ताकि कृषि पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

उन्होंने बदलते माइनिंग सिनेरियों के अनुसार आरएसएमएम में मानव संसाधन का पुनर्गठन करने और माइनिंग व जियोलोजी सेक्टर के तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि संगतराश नवाचार कार्यक्रम का एक अन्य लाभ कला और शिल्प को बढ़ावा देने के साथ ही शहरी सौन्दर्यीकरण में किया जा सकेगा।

उन्होंने आरएसएमएम को आक्रामक विपणन नीति अपनाने के साथ ही जीरो लॉस माइनिंग पर जोर देना होगा ताकि उत्पादकता और लाभदायकता में बढ़ोतरी हो सके। प्रबंध निदेशक आरएसएमएम प्रज्ञा केवलरमानी ने आरएसएमएम की गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्लोबल इंडिया स्टोनमार्ट में आरएसएमएम के पेवेलियन को पहला पुरस्कार मिला हैं। वहीं सामाजिक कोरपोरेट दायित्व के तहत उदयपुर में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बगरू के अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने पर प्राथमिकता से होगा विचार : बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री व आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि बगरू की ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने के संबंध में वित्तीय संसाधनों और गुणावगुण के आधार पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर चरणबद्ध तरीके से आयुर्वेद औषधालय खोले जाने का प्रावधान किया गया है। आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक कैलाश वर्मा द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में वर्तमान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का उप स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है। इसके अलावा यहां से करीब 8 किलोमीटर दूर कलवाड़ा में आयुर्वेदिक औषधालय संचालित है।

इससे पूर्व मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री ने बताया कि आयुष नीति 2021 के अनुसार ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर गुणावगुण के आधार पर चरणबद्ध रूप से आयुर्वेद औषधालय खोले जाने का प्रावधान है। आयुर्वेद विभाग के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र बगरू में वर्तमान में 19 आयुर्वेद औषधालय संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने से संबंधित कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

राज्यपाल रवि और स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार के बीच लगातार तनातनी की स्थिति रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेवानिवृत्त शीर्ष आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी आर. एन. रवि को 18 सितंबर 2021 को जब तमिलनाडु का 26वां राज्यपाल बनाया गया तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि उनका कार्यकाल राज्य के इतिहास में निर्वाचित सरकार के साथ सबसे अधिक टकरावों वाले कार्यकाल के रूप में दर्ज होगा। रवि को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। चाहे तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने का मुद्दा हो, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति का प्रश्न हो या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर हुआ विवाद समेत द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के साथ नीतिगत टकराव का विषय हो, रवि अपने रुख से कभी पीछे नहीं हटे और अपने विचारों पर दृढ़ता से कायम रहे।

रवि और द्रमुक सरकार के बीच हुए विवादों का सबसे उल्लेखनीय परिणाम यह रहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह घोषणा की कि राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है और और 'स्वतः स्वीकृति' (निर्धारित अवधि तक कोई निर्णय नहीं लेने की स्थिति में यह मान लेना कि विधेयक को मंजूरी मिल गई है) जैसी कोई अवधारणा नहीं है।

वर्ष 2023 में राज्यपाल रवि ने अपने स्तर पर तत्कालीन मंत्री वी. सेंथिलबालाजी को ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद मंत्रिपरिषद से बर्खास्त'' कर दिया था किंतु कुछ समय बाद ही केंद्र की कथित सलाह के बाद उन्होंने अपने उस फैसले को रोक दिया था। उन्होंने कहा था कि ''बालाजी का मंत्रिमंडल में बने रहना निष्पक्ष जांच सहित कानून की उचित प्रक्रिया को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा जिससे अंततः राज्य में संवैधानिक ढांचा टूटने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।''

लंबित विधेयकों और कई अन्य मुद्दों को लेकर उनके और द्रमुक सरकार के बीच खींचतान शुरू हो गई। इसमें बी.वी. रमण और सी. विजय भास्कर सहित ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के पूर्व मंत्रियों पर मुकदमा भी शामिल है। राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में उन्होंने चयन समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नामित व्यक्ति को अनिवार्य किया और कहा कि यह उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुरूप है। हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि वह संबंधित कानूनों का पालन कर रही है और यूजीसी द्वारा नामित व्यक्ति की नियुक्ति अनुचित है।

राजभवन के मुख्य द्वार के पास 25 अक्टूबर 2023 को पेट्रोल बम फेंका गया जिससे रवि और द्रमुक सरकार के बीच संघर्ष एक नए स्तर पर पहुंच गया। उस समय राज्यपाल कार्यालय ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल के खिलाफ बयानबाजी और धमकियां अधिकतर सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगियों के नेता एवं कार्यकर्ता अपने सार्वजनिक सभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहे हैं।

राजभवन ने आरोप लगाया था: ''...माननीय राज्यपाल के खिलाफ गंभीर धमकियों के प्रति पुलिस की जानबूझकर की गई उदासीनता ने माननीय राज्यपाल और राजभवन की सुरक्षा को प्रभावित किया है... राजभवन पर हुए ये दुस्साहसी बम हमले इसी का परिणाम हैं।'' राजभवन पर पेट्रोल बम हमले के मामले में कुख्यात अपराधी करुका विनोद को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने दोषी ठहराया और 10 साल की जेल की सजा सुनाई।

रवि का कार्यकाल केवल विवादों से ही भरा नहीं था; उन्होंने नवाचार करने का भी प्रयास किया और लोक भवन (राज्यपाल का निवास) में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें उच्च शिक्षा संस्थानों का सम्मेलन 'थिंक टू डेयर सीरीज' शामिल था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक सांस्कृतिक अध्ययन यात्रा की व्यवस्था कराई। वह नियमित रूप से छात्रों से संवाद करते थे। द्रविड़ विचारधारा के समर्थक निवर्तमान राज्यपाल पर अक्सर संत-कवि तिरुवल्लुवर और क्रांतिकारी संत वल्ललार जैसे ''तमिल प्रतीकों को अपनाने'' और उन्हें भारतीय सनातन परंपरा से जोड़ने का आरोप लगाते रहे हैं। रवि दलितों के खिलाफ अपराध सहित कई मुद्दों को लेकर द्रमुक सरकार पर नियमित रूप से आरोप लगाते रहे। उन्हें तमिल भाषा सीखने में गहरी रुचि थी और उन्होंने राज्य के प्रत्येक स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने लोक भवन के दरबार हॉल का नाम बदलकर भारतीयर मंडपम रखा। रवि का तबादला हो गया है और उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया गया है। केरल में उनके समकक्ष रहे आर.वी. अर्लेकर को तमिलनाडु का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का हाथ से इशारा करने का वीडियो वायरल

अन्नाद्रमुक ने आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने कहा कि कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की बातचीत 'सफलतापूर्वक समाप्त' होने का संकेत देने वाला उनके हाथ का इशारा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। अन्ना द्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने स्टालिन के इस दावे पर निशाना साधते हुए कहा कि द्रमुक शासन में महिलाओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था समेत सब कुछ समाप्त हो गया है। स्टालिन ने पांच मार्च को कार में बैठते समय हाथ से एक इशारा किया था जो दिखाता है कि कांग्रेस के साथ बातचीत पूरी हो गयी है।

उन्होंने कहा, ''आपने वह दृश्य देखा होगा जब समझौता तय होने के बाद में कार में बैठने जा रहा था और मैंने हाथ उठाकर इशारा किया कि यह पूरा हो गया। ऐसा नहीं है कि मैंने पहले से सोच रखा था कि ऐसा इशारा करना है। जब मैं कार की ओर जा रहा था तो वहां मौजूद मीडिया कर्मी लगातार पूछ रहे थे कि क्या बातचीत खत्म हो गई है। तब मैंने हाथ से इशारा कर कहा कि बातचीत पूरी हो गई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका यह अचानक किया गया हाथ का इशारा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग इसे ''सब तय हो गया'' कहकर साझा कर रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''मुख्यमंत्री, जिन्हें कानून-व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए, वह इस बात पर गर्व जता रहे हैं कि उनका इशारा वायरल हो गया है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''द्रमुक शासन में कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक न्याय- सब कुछ खत्म हो गया है।'' इससे पहले चार मार्च की देर रात पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में द्रमुक और कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे का समझौता तय किया। इससे उन अटकलों पर विराम लग गया कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग के कारण दोनों दलों का गठबंधन टूट सकता है। कई दौर की बातचीत के बाद द्रमुक ने कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटें और 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए एक सीट देने पर सहमति जताई। बैठक के बाद जब स्टालिन वहां से निकल रहे थे, तब उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब में हाथ से इशारा किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया।

न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

चेन्नई। न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। लोक भवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल आर एन रवि ने न्यायमूर्ति धर्माधिकारी को पद की शपथ दिलाई। वह उच्च न्यायालय के 55वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। मद्रास उच्च न्यायालय में नियुक्ति से पहले वह केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम ने नियुक्ति आदेश पत्र पढ़कर सुनाया, जिसे मनोनीत मुख्य न्यायाधीश को पद की शपथ दिलाने से पहले सौंप दिया गया। न्यायमूर्ति धर्माधिकारी को सात अप्रैल 2016 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश और 17 मार्च 2018 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। आठ जुलाई

1966 को रायपुर में जन्मे न्यायमूर्ति धर्माधिकारी ने नागपुर विश्वविद्यालय से वाणिज्य और कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1992 में जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया और वह 2000 से 2015 तक केंद्र सरकार के स्थायी वकील रहे। न्यायमूर्ति धर्माधिकारी के पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति मनींद्र मोहन श्रीवास्तव ने 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद पांच मार्च, 2026 को अपना पद त्याग दिया। वह 21 जुलाई, 2025 से मुख्य न्यायाधीश थे। संक्षिप्त कार्यक्रम के प्रारंभ में सबसे पहले राष्ट्रगान गाया गया, जिसके बाद तमिल राज्यगान गाया गया। तमिलनाडु के प्राकृतिक संसाधन मंत्री एस. रेगूपति और शीर्ष अधिकारियों ने इस समारोह में भाग लिया।

रवि तमिलनाडु के प्रति भाजपा के इरादों की लगातार याद दिलाते रहे : द्रमुक सांसद ने कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद पी. विल्सन ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु के निवर्तमान राज्यपाल आर एन रवि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस राज्य के प्रति इरादों की लगातार याद दिलाते रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जहां भी रवि को राज्यपाल के पद पर नियुक्त किया गया, वहां संविधान की अनदेखी हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पांच मार्च की देर रात हुए घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को ये टिप्पणियां कीं, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रवि को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया।

व्यंग्यात्मक लहजे में राज्यसभा सदस्य विल्सन ने कहा, ''मुझे दो बातों का दुख है - पहली यह कि द्रमुक आगामी चुनावों में एक स्टार प्रचारक को खो रही है। आर एन रवि तमिलनाडु को लेकर भाजपा के इरादों की लगातार याद दिलाते थे।'' सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, ''दूसरी बात मुझे पश्चिम बंगाल के लोगों और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस में मेरे अच्छे दोस्तों के लिए दुख है।'' उन्होंने लिखा, ''जहां भी वह (आर एन रवि) जाते हैं, संविधान, संघीय ढांचा और संसदीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार देर रात की गई प्रमुख नियुक्तियों के अंतर्गत तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को बिहार का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तमिलनाडु के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करेंगे।

शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में देवी कोनियाम्मन मंदिर का रथोत्सव शहर के मुख्य मार्ग से गुजरा। जगह-जगह पर खास पूजा की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जगह-जगह विभिन्न संस्थाओं द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा के लिए ज्यूस, पानी, चाय, फ्रूट, नाश्ता आदि की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा में शहर की विधायक वानती श्रीनिवासन भी शामिल हुई।

कोच्चि हिट-एंड-रन के मामले में फरार आरोपी चिकित्सक पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि के समीप 'हिट-एंड-रन' की घटना में 19 वर्षीय लड़की की मौत के बाद फरार आरोपी चिकित्सक को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने डॉ. सीरियाक जॉर्ज को गुप्त सूचना के आधार पर इडुक्की जिले के वागामोन के पास कन्ननकुलम स्थित एक रिसॉर्ट से हिरासत में लिया। अधिकारियों ने बताया कि सादे कपड़े पहनकर रिसॉर्ट पहुंचे पुलिसकर्मियों को देखते ही जॉर्ज ने भागने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। आरोपी को वागामोन पहुंची अंगमाली पुलिस टीम के हवाले कर दिया गया।

दिन के दौरान ही इससे पहले पुलिस ने जॉर्ज के पिता जॉर्ज मैथ्यू (कोट्टायम जिले के अथिरामपुझा निवासी) को आरोपी की गिरफ्तारी से बचने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि मैथ्यू को अंगमाली थाने बुलाया गया और पूछताछ के बाद उन्हें आरोपी को फरार रहने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद जॉर्ज ने सीरियाक से मुलाकात कर उसे छिपने में मदद की थी। अधिकारियों ने बताया कि हिट-एंड-रन की घटना जिस वाहन से हुई थी वह भी मैथ्यू के नाम पर पंजीकृत था।

एडवनक्कड़ निवासी जसलिया जॉनसन (19) 26 फरवारी को शाम करीब साढ़े सात बजे अंगमाली स्थित अपने छात्रावास में लौटते समय कार की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। यहां एक निजी अस्पताल द्वारा तीन मार्च को लड़की को मस्तिष्कीय रूप से मृत घोषित किए जाने के बाद उसके माता पिता ने उसके यकृत, गुर्दे और आंखों के कॉर्निया दान करने की सहमति दी।

डॉ. सीरियाक, एर्णाकुलम के एक निजी अस्पताल में हाउस सर्जन के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि जांच दल ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया था और एर्नाकुलम, कोट्टायम तथा इडुक्की जिलों में छापेमारी करने के बाद उसे ढूंढ लिया। सीरियाक ने अग्रिम जमानत के लिए कोट्टायम जिला एवं सत्र न्यायालय में याचिका भी दायर की।

मारियाना नेसुलर ने चेन्नई में अमेरिकी महावाणिज्य दूत के रूप में कार्यभार संभाला

चेन्नई। अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को यहां कहा कि मारियाना एल नेसुलर ने चेन्नई में अमेरिका की महावाणिज्य दूत के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

नेसुलर ने दो मार्च को यह पदभार संभाला। वह दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल के अलावा केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, लक्षद्वीप तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अमेरिका-भारत संबंधों को आगे बढ़ाने का दायित्व संभालेंगी। अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण एशियाई मामलों में व्यापक अनुभव रखने वाली राजनयिक नेसुलर पूर्व में ताशकंद स्थित अमेरिकी दूतावास में राजनीतिक और आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

इसमें कहा गया कि उनकी पिछली जिम्मेदारियों में यरुशलम और अम्मान में अमेरिकी दूतावासों में उप आर्थिक सलाहकार के रूप में और वाशिंगटन में ऊर्जा संसाधन ब्यूरो में भारत तथा श्रीलंका के लिए वरिष्ठ दक्षिण एशिया अधिकारी के रूप में कार्य करना शामिल है। नेसुलर का विवाह विदेश सेवा अधिकारी पीटर नेसुलर से हुआ है। इस दंपति के दो बेटे हैं।

बिजली का झटका लगने से हाथी की मौत

ईरोड। तमिलनाडु के ईरोड जिला स्थित सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में करंट लग जाने से एक नर हाथी की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, वन कर्मियों की एक टीम ने बृहस्पतिवार को एसटीआर के कदंबूर वन रेंज के भीतर कडागनल्ली वन गांव में एक निजी क्षेत्र का दौरा किया और वहां एक नर हाथी को मृत पाया। मौके पर बुलाई गई वन विभाग की पशु चिकित्सा टीम ने करंट लग जाने से हाथी की मौत होने की पुष्टि की। घटना को देखते हुए और पशु चिकित्सक के बयान को दर्ज करते हुए वन कर्मियों तथा कदंबूर पुलिस ने जमीन के मालिक पुट्टुसामी के खिलाफ मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि पुट्टुसामी ने अपनी ज़मीन पर मक्के की फसल उगाई थी और जानवरों को वहां घुसने से रोकने के लिए तार की बाड़ लगाई तथा अवैध रूप से उसमें बिजली का कनेक्शन भी लगवा दिया। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को वहां पहुंचा हाथी बिजली के तार के संपर्क में आ गया।

सिद्दरामय्या ने पेश किया अपना 17वां बजट, केंद्र पर लगाया अन्याय का आरोप

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को अपना 17वां बजट पेश करते हुए कहा कि संविधान के अनुसार संघीय शासन व्यवस्था का पालन न करके केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति पर चल रही है, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन में निवेश के साथ ही कल्याणकारी कार्यक्रमों के बीच संतुलन बनाती है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में सबसे आगे है और देश के कर राजस्व में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारा राज्य राष्ट्र के विकास के सभी क्षेत्रों में अग्रणी है। यह उन प्रमुख राज्यों में से एक है, जो उच्चतम कर राजस्व का योगदान करते हैं।'' सिद्दरामय्या ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए कुल व्यय 4,48,004 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उनके राजनीतिक जीवन का यह 17वां बजट है। उन्होंने कावेरी नदी पर मेकेदातू संतुलन जलाशय परियोजना को पूरा करने की राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रचुर मात्रा में दूध देने वाली गाय को उचित देखभाल की आवश्यकता होती है। यह भीष्म का दर्शन है कि यदि वह कमजोर हो जाती है, तो पूरा चरवाहा समुदाय पीड़ित होता है।''

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इसे पहचानना चाहिए और राज्य की मांगों पर संवेदनशीलता से जवाब देना चाहिए। सिद्दरामय्या ने भारत जैसे विविध देश के लिए सहकारी संघवाद के महत्व पर भी जोर दिया।

तमिलनाडु सरकार ने राजनीतिक, वैचारिक एवं सांप्रदायिक गतिविधियों की मेजबानी से निजी विद्यालयों को रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों पर राजनीतिक, वैचारिक या सांप्रदायिक गतिविधियों के लिए अपना परिसर उपलब्ध कराने पर औपचारिक रूप से रोक लगाते हुए कहा है कि ऐसा करना विद्यालय परिसरों को तटस्थ शैक्षणिक क्षेत्र के रूप में बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

शिक्षा विभाग ने दो मार्च को एक सरकारी आदेश जारी कर तमिलनाडु निजी विद्यालय (विनियमन) नियमावली में महत्वपूर्ण संशोधन अधिसूचित किए हैं।

इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शैक्षणिक अवसंरचना का उपयोग मुख्य रूप से और विशेष रूप से छात्र कल्याण एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए किया जाए।

संशोधित नियमों के अनुसार विद्यालय भवन, उसके मैदान या हॉल समेत विद्यालय परिसर का उपयोग ऐसे किसी भी बाहरी व्यक्तियों या संगठनों के किसी भी कार्यक्रम, बैठक, अभियान या प्रशिक्षण के लिए नहीं किया जाएगा जो राजनीतिक, वैचारिक, सांप्रदायिक या विभाजनकारी हों।

इस प्रतिबंध में विशेष रूप से उन गतिविधियों को निशाना बनाया गया है जिनसे धर्म, जाति, भाषा या समुदाय के आधार पर दुर्भावना को बढ़ावा मिलने की आशंका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रतिबंध स्कूल में कक्षा लगने के दौरान और उसके बाद भी लागू होता है, जिनमें सप्ताहांत, सार्वजनिक अवकाश और शीतकालीन या ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान के आयोजन शामिल हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि हालांकि रक्तदान शिविर, सामाजिक सेवा कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गैर-सांप्रदायिक और गैर-राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

उसने कहा कि लेकिन इनके लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा और इन्हें विद्यालय के शैक्षणिक विभाग की सीधी देखरेख में आयोजित किया जाना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, यह नीतिगत बदलाव हाल में कुड्डालोर के निजी स्कूल श्री सरस्वती विद्यालय से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल विवाद के बाद हुआ है। दिसंबर 2025 में, स्कूल ने शीतकालीन अवकाश के दौरान सेवा भारती को अपने परिसर में शिविर आयोजित करने की अनुमति दी।

जब स्कूल शिक्षा विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया, तो प्रबंधन ने मद्रास उच्च न्यायालय में इसे चुनौती दी और तर्क दिया कि मौजूदा नियम केवल कक्षा लगने के दौरान ऐसे अभ्यासों पर रोक लगाते हैं। सरकार के हालिया संशोधन ने इस कानूनी खामी को दूर किया है।

सुविचार

जिंदगी में कम से कम एक दोस्त शीशे और परछाई के जैसा होना चाहिए क्योंकि शीशा कभी झूठ नहीं बोलता और परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार की स्वागत-योग्य पहल

कर्नाटक सरकार ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में जो घोषणा की है, उसका स्वागत होना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा बजट पेश करते हुए की गई इस घोषणा में एक अभिभावक की चिंता झलकती है। पिछले एक दशक में सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने विभिन्न समस्याओं को जन्म दिया है। कई बच्चे पांच मिनट का नाम लेकर मोबाइल फोन लेते हैं, फिर घंटों सोशल मीडिया देखते हैं। इससे उनकी पढ़ाई और सेहत, दोनों को नुकसान होता है। कई बच्चों की आदतें बिगड़ गई हैं। पहले, वे समय पर पढ़ाई करते थे, खेलकूद संबंधी गतिविधियों में भाग लेते थे और घर के कामकाज में भी हाथ बंटाते थे। उन्हें जब से मोबाइल फोन की लत लगी है, उनका जीवन सोशल मीडिया तक सीमित हो गया है। जब उन्हें पढ़ाई के लिए कहा जाता है तो वे बहाने ढूंढ़ते हैं। उन्हें लगता है कि दिनभर मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहना दुनिया का सबसे जरूरी काम है और अगर ऐसा नहीं किया तो धरती का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। बच्चे मासूम होते हैं। उन्हें पता नहीं है कि इस आदत से भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है। उनका बचपन खुशहाल हो, भविष्य उज्ज्वल हो, इसके लिए थोड़ी सख्ती जरूरी है। आज उन्हें कुछ असुविधा हो सकती है, बुरा भी लग सकता है, लेकिन कुछ साल बाद वे इस फैसले के लिए सिद्दरामय्या के आभारी होंगे। इससे पहले, आंध्र प्रदेश सरकार बच्चों के स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जता चुकी है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिबंधित करने के संबंध में सख्त कदम उठाए हैं।

बच्चों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उनके लिए अच्छी किताबें और ज्ञानवर्द्धक पत्रिकाएं उपलब्ध होनी चाहिएं। उन्हें जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों पर मोबाइल फोन की जगह ऐसी चीजें लाकर दें, जो उनमें जिज्ञासा पैदा करें। प्रख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के बारे में कहा जाता है कि जब वे छोटे थे तो बीमार पड़ गए थे। उस समय उनके पिता ने उन्हें कुतुबनुमा लाकर दिया था। इससे उनके मन में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा पैदा हुई थी। सोचिए, अगर उस समय सोशल मीडिया का चलन होता और आइंस्टीन के पिता उन्हें मोबाइल फोन लाकर दे देते तो उनके सोचने की दिशा क्या होती? बच्चे जिन चीजों के साथ ज्यादा समय बिताते हैं, उनका मन पर गहरा असर होता है। कोई बच्चा मिट्टी के घरौंदे बनाता है, किसी को कागज के हवाईजहाज उड़ाना पसंद होता है, कोई पुराने डिब्बों से ट्रक बनाता है, कोई बारिश के मौसम में कागज की नाव बनाकर मन बहलाता है। प्रकृति ने बच्चों में यह अद्भुत क्षमता पैदा की है। छोटा बच्चा कई सवाल पूछता है। वह इस दुनिया को जानना चाहता है। अगर उसे उचित समय पर उचित जानकारी देने वाले स्रोत मिल जाएं तो उसका भविष्य बहुत उज्ज्वल हो सकता है। क्या सोशल मीडिया ऐसा कर रहा है? कोरोना काल के बाद तो सोशल मीडिया पर अभद्र एवं आपत्तिजनक सामग्री की बाढ़-सी आ गई है। उसे देखकर बच्चे क्या सीखेंगे? क्या ऐसी सामग्री उन्हें चरित्रवान नागरिक बनाएगी? बच्चों को सोशल मीडिया के भरोसे छोड़ देना कितना सुरक्षित है? इन सभी सवालों पर सरकारों को विचार करना होगा। बच्चों को अनुकूल वातावरण और सही दिशा देने की जिम्मेदारी सबकी है। जिन चीजों का बच्चों के मन पर गलत असर पड़े, वे घर और समाज में न हों अथवा उनका दायरा इतना सीमित हो कि बच्चे उन तक पहुंच न सकें। आज सोशल मीडिया इसी श्रेणी में आ चुका है। अगर अन्य आयु वर्ग के लोग भी इसका उपयोग सीमित रखें तो बच्चों में अच्छा संदेश जाएगा।

ट्वीटर टॉक

भारत की विकास यात्रा में नारी नेतृत्व वाले व्यवसायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है। छोटे शहरों, कस्बों और गाँवों में भी हमारी बहन-बेटियां उद्यमिता के क्षेत्र में ऐसे अपूर्व योगदान दे रही हैं जिनसे सामाजिक-आर्थिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफल हुए सभी प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई। यह उपलब्धि देश और समाज की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। आप सभी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

-दिया कुमारी

कोटा-बूंदी एयरपोर्ट को लेकर सच्चाई.... डबल इंजन सरकार ने दूर की सारी बाधाएँ । कांग्रेस ने हमेशा कोटा-बूंदी एयरपोर्ट के मुद्दे पर जनता को भ्रमित करने का काम किया। जानबूझकर ऐसी भूमि आवंटित की गई जिसका अधिकांश भाग वन क्षेत्र में था ।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

संयम से दीक्षा

मिस्र के महान संत जुन्नुन के पास एक बार एक युवक धर्म की दीक्षा लेने आया। संत ने उसे एक संदूकची दी और कहा कि यह नील नदी के पास रहने वाले मेरे एक मित्र को दे आओ। युवक संदूकची लेकर चल पड़ा, लेकिन रास्ते में वह अपनी उत्सुकता को न रोक पाया और संदूकची को खोलकर देखने लगा। संदूकची के खुलते ही उसमें बंद एक चूहा छलांग लगा के बाहर निकल भागा। खाली संदूकची को लेकर जब वह संत के मित्र के पास गया तो संदूकची को खाली पाकर वह मित्र बोला, 'यह संदूकची तुम्हारे संयम की परीक्षा लेने के लिए भेजी गई थी, पर तुम अपने संयम पर नियंत्रण न रख सके और संदूकची को खोल बैठे। धर्म का ज्ञान पाने के लिए जिस धैर्य और संयम की जरूरत होती है, उसका तुम्हारे पास नितांत अभाव है। तुम्हारे लिए बेहतर यही रहेगा कि पहले तुम अपने चित्त की दुर्बलता दूर करो और उसके बाद ही धर्म की दीक्षा लेने की बात सोचो।'

सामयिक

ईरान की उथल-पुथल : वैश्विक राजनीति के लिए गहरी सीख

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

ईरान की स्थिति नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक नवाचार के महत्व को भी रेखांकित करती है। जब लंबे समय तक सत्ता एक ही नेतृत्व के हाथों में केंद्रित रहती है, तो राजनीतिक व्यवस्था में जड़ता आने लगती है। स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था वही होती है जिसमें नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलता है और समय-समय पर जिम्मेदारियों का हस्तांतरण होता रहता है। जब अनुभवी नेता उचित समय पर योग्य उत्तराधिकारियों को आगे बढ़ाते हैं, तो संस्थाएं मजबूत होती हैं और व्यवस्था अधिक स्थिर बनती है।

ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच हाल में बढ़े सैन्य तनाव ने मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को झकझोर कर रख दिया है और पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। संयुक्त सैन्य कार्रवाई, जवाबी हमलों, वरिष्ठ अधिकारियों की मौत और आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने वैश्विक स्तर पर चिंता को और बढ़ा दिया है। कई देशों को यह डर सताने लगा है कि यदि हालात नहीं संभले तो यह टकराव एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप भी ले सकता है। फिलहाल पूरी दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस बढ़ते तनाव का अंत किस दिशा में होगा। लेकिन इन घटनाओं के बीच ईरान की स्थिति दुनिया के सामने कई महत्वपूर्ण सबक भी रखती है। ये सबक केवल सैन्य या कूटनीतिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक नीति, शासन व्यवस्था, आंतरिक स्थिरता और सरकार तथा जनता के बीच संबंधों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

ईरान की स्थिति से जो पहला और सबसे बड़ा सबक सामने आता है, वह है वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का महत्व। आज के समय में किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना या प्राकृतिक संसाधनों से तय नहीं होती। विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और नवाचार किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति बन चुके हैं। जो देश विज्ञान और तकनीक में पीछे रह जाते हैं, वे धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय दबाव और रणनीतिक चुनौतियों के प्रति कमजोर पड़ने लगते हैं। ईरान के पास तेल और गैस के विशाल भंडार हैं और लंबे समय तक उसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से इन्हीं संसाधनों पर निर्भर रही। लेकिन किसी एक ही क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कई बार देश की आर्थिक संरचना को कमजोर भी बना देती है। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, तब उसकी अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ा। इसका एक कारण यह भी था कि अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों जैसे उन्नत उद्योग, तकनीकी विकास और वैश्विक व्यापार में पर्याप्त विस्तार नहीं हो पाया था। यही कारण है कि दूसरा बड़ा सबक यह है कि किसी भी देश को अपनी अर्थव्यवस्था को एक ही स्तंभ पर खड़ा नहीं करना चाहिए। एक मजबूत और स्थायी अर्थव्यवस्था के लिए विविधता बहुत जरूरी होती है। जो देश केवल प्राकृतिक संसाधनों या किसी एक उद्योग पर निर्भर रहते हैं, उन्हें शुरुआत में समृद्धि तो मिल सकती है, लेकिन वे बाहरी झटकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो जाते हैं।

ईरान के हालात राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को भी स्पष्ट रूप से सामने लाते हैं। किसी भी देश की दिशा और स्थिरता काफी हद तक उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। विशेष रूप से देश के शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि नेतृत्व ही असुरक्षित हो जाए या बाहरी हमलों और आंतरिक घुसपैठ के प्रति कमजोर पड़ जाए, तो पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। सुरक्षा एजेंसियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और संभावित खतरों का समय-समय पर मूल्यांकन करते रहना चाहिए।

ईरान के हालात से एक और महत्वपूर्ण सबक मिलता है- रणनीतिक आत्मनिर्भरता का। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में केवल मित्र देशों या वैश्विक संस्थाओं के भरोसे अपनी सुरक्षा छोड़ देना कई बार जोखिम भरा साबित हो सकता है। जब किसी देश पर हमला होता है या उसे गंभीर नुकसान पहुंचता है, तब अक्सर दुनिया के देश केवल चिंता व्यक्त करते हैं, निंदा करते हैं या कूटनीतिक बयान जारी करते हैं। लेकिन ये प्रतिक्रियाएं हमेशा तत्काल सुरक्षा प्रदान नहीं कर पातीं। इतिहास बताता है कि अंततः हर देश को अपनी सुरक्षा के लिए खुद तैयार रहना पड़ता है। इसलिए बुद्धिमान सरकारें मजबूत रक्षा व्यवस्था विकसित करने, अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने और संभावित खतरों से निपटने के लिए समाज को तैयार रखने पर विशेष ध्यान देती हैं। ईरान की स्थिति यह भी बताती है कि किसी देश की आंतरिक राजनीतिक व्यवस्था उसकी स्थिरता में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब सरकारें असहमति की आवाज को दबाने लगती हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती हैं या विरोध करने वालों पर कठोर कार्रवाई करती हैं, तो समाज के भीतर असंतोष पनपने लगता है। यह असंतोष धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर सकता है और बाहरी ताकतों को आंतरिक परिस्थितियों का लाभ उठाने का अवसर दे सकता है। ईरान में भी विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन से जुड़े कई आरोप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। महसा अमीनी की मृत्यु के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। हजारों लोगों ने न्याय और स्वतंत्रता की मांग करते हुए प्रदर्शन किए। जब सरकारें ऐसे आंदोलनों का जवाब संवाद की बजाय कठोर बल प्रयोग से देती हैं, तो सरकार और जनता के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। किसी भी सरकार की वास्तविक ताकत तब बढ़ती है जब वह अपने नागरिकों की बात सुनती है, उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी राय व्यक्त करने की अनुमति देती है और समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से खोजने की कोशिश करती है। यदि नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी आवाज का सम्मान किया जा रहा है, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी अपने देश के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। इसके विपरीत, जब लोग अपने ही देश में खुद को असुरक्षित या उपेक्षित महसूस करते हैं, तो समाज और राज्य के बीच विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। आर्थिक कठिनाइयां भी ऐसे असंतोष को और बढ़ा सकती हैं।

ईरान की स्थिति नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक नवाचार के महत्व को भी रेखांकित करती है। जब लंबे समय तक सत्ता एक ही नेतृत्व के हाथों में केंद्रित रहती है, तो राजनीतिक व्यवस्था में जड़ता आने लगती है। स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था वही होती है जिसमें नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलता है और समय-समय पर जिम्मेदारियों का हस्तांतरण होता रहता है। जब अनुभवी नेता उचित समय पर योग्य उत्तराधिकारियों को आगे बढ़ाते हैं, तो संस्थाएं मजबूत होती हैं और व्यवस्था अधिक स्थिर बनती है। देशों को विज्ञान और तकनीक में निवेश बढ़ाना चाहिए, अपनी अर्थव्यवस्था को विविध बनाना चाहिए, सुरक्षा और खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए और संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

नजरिया

डिजिटल युग महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, नवाचार और नेतृत्व के अनेक अवसर लेकर आया है। शिक्षा, उद्यमिता, तकनीक और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। फिर भी डिजिटल समानता की दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। डिजिटल अंतर, साइबर उत्पीड़न, नेतृत्व में कम प्रतिनिधित्व और डिजिटल साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं।

डिजिटल दुनिया में महिलाओं की बढ़ती उड़ान और चुनौतियाँ

ममता कुशवाहा

डिजिटल युग ने मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है। संचार, शिक्षा, व्यापार, शासन और सामाजिक संबंधों के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। इंटरनेट के तीव्र प्रसार, नई तकनीकों के विकास और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के विस्तार ने दुनिया भर के लोगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। इस बदलते दौर की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि महिलाओं की डिजिटल क्षेत्र में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएँ केवल तकनीक का उपयोग करने वाली उपभोक्ता भर नहीं रह गई हैं, बल्कि वे नवाचार करने वाली, उद्यमी, शिक्षिका और नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाली सक्रिय शक्ति बनती जा रही हैं। वे डिजिटल दुनिया के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। फिर भी इन सकारात्मक परिवर्तनों के बावजूद महिलाओं को कई सामाजिक, संरचनात्मक और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो डिजिटल क्षेत्र में उनकी पूर्ण भागीदारी को सीमित करती हैं। डिजिटल युग में महिलाओं की भागीदारी का सबसे स्पष्ट रूप शिक्षा और जानकारी तक उनकी बढ़ती पहुँच में दिखाई देता है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, डिजिटल पुस्तकालय, वेबिनार और वर्चुअल कक्षाएँ महिलाओं और लड़कियों के लिए ज्ञान प्राप्त करने के नए द्वार खोल रही हैं। पहले अनेक महिलाएँ पारिवारिक जिम्मेदारियों, सामाजिक प्रतिबंधों या आर्थिक सीमाओं के कारण विद्यालयों और विश्वविद्यालयों तक नहीं पहुँच पाती थीं। लेकिन आज इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के माध्यम से वे घर बैठे ही नई-नई जानकारियाँ प्राप्त कर सकती हैं और अपने कौशल का विकास कर सकती हैं। इससे न केवल उनके ज्ञान का विस्तार हुआ है बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। डिजिटल शिक्षा ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भी महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों के नए रास्ते खोले हैं। ई- कॉमर्स वेबसाइटें, ऑनलाइन बाजार और डिजिटल भुगतान प्रणालियाँ महिलाओं को कम निवेश में अपना व्यवसाय शुरू करने की सुविधा प्रदान कर रही हैं। आज अनेक महिलाएँ घर से ही अपने बनाए हुए उत्पाद, जैसे हस्तशिल्प, कपड़े, घरेलू वस्तुएँ या अन्य सेवाएँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेच रही हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग के साधनों की सहायता से वे अपने ग्राहकों तक दूर-दूर तक पहुँच बना पा रही हैं।

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी महिलाओं की उपस्थिति धीरे-धीरे मजबूत होती जा रही है। आज महिलाएँ सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा विश्लेषक, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, डिजिटल मार्केटर और तकनीकी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही हैं। कई महिलाएँ बड़ी तकनीकी कंपनियों, स्टार्टअप्स और डिजिटल परियोजनाओं का नेतृत्व भी कर रही हैं। उनके विचार और दृष्टिकोण तकनीकी विकास को अधिक विविध और रचनात्मक बना रहे हैं। विश्व भर की सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ भी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएँ और कार्यक्रम चला रही हैं, ताकि तकनीकी क्षेत्रों में मौजूद लैंगिक असमानता को कम किया जा सके।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भी महिलाओं को अपनी बात रखने और समाज से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम प्रदान किया है। आज महिलाएँ डिजिटल मंचों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाती हैं, अपने अनुभव साझा करती हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर जानकारी देती हैं और लैंगिक समानता की वकालत करती हैं। महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर समान अवसर और सामाजिक न्याय से जुड़े कई आंदोलन डिजिटल माध्यमों के कारण वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। सोशल मीडिया ने महिलाओं को अपनी आवाज़ को व्यापक समाज तक पहुँचाने का अवसर दिया है, जिससे सार्वजनिक विमर्श पर उनका प्रभाव बढ़ा है।

एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर उत्पीड़न की समस्या है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को अक्सर अपमानजनक टिप्पणियों, ट्रोलिंग, धमकियों और पीछा करने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से महिला पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी महिलाएँ कई बार संगठित ऑनलाइन हमलों का लक्ष्य बन जाती हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कई महिलाओं को अपनी राय खुलकर व्यक्त करने से रोक देती हैं। लगातार होने वाला साइबर उत्पीड़न मानसिक तनाव, भय और असुरक्षा की भावना को जन्म देता है, जिससे कई महिलाएँ डिजिटल मंचों से दूरी बना लेती हैं।

डिजिटल साक्षरता की कमी भी महिलाओं की प्रगति में एक महत्वपूर्ण बाधा है। तकनीक तक पहुँच होना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसका सही और प्रभावी उपयोग करना आना। ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों की कई महिलाएँ डिजिटल उपकरणों, ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल भुगतान प्रणालियों का उपयोग करने में प्रशिक्षित नहीं होतीं। इसके कारण वे डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ने और उससे लाभ प्राप्त करने के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसलिए सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को महिलाओं और लड़कियों के लिए विशेष डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराएँ भी कई बार महिलाओं की डिजिटल भागीदारी को प्रभावित करती हैं। अनेक समाजों में महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे घरेलू जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें और पेशेवर या तकनीकी क्षेत्रों में कम समय दें। ऐसी सामाजिक धारणाएँ महिलाओं को नए अवसरों की खोज से रोकती हैं। इसके अलावा यह रूढ़िवादी धारणा भी प्रचलित है कि तकनीक का क्षेत्र केवल पुरुषों के लिए उपयुक्त है। यह सोच कई लड़कियों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने से हतोत्साहित करती है। इन रूढ़ियों को बदलने के लिए शिक्षा, जागरूकता और सकारात्मक सामाजिक वातावरण की आवश्यकता है।

डिजिटल युग महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, नवाचार और नेतृत्व के अनेक अवसर लेकर आया है। शिक्षा, उद्यमिता, तकनीक और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। फिर भी डिजिटल समानता की दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। डिजिटल अंतर, साइबर उत्पीड़न, नेतृत्व में कम प्रतिनिधित्व और डिजिटल साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। इन समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयासों और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से ही संभव है। यदि महिलाओं को डिजिटल दुनिया में समान अवसर, संसाधन और सुरक्षा प्रदान की जाए, तो वे एक अधिक समावेशी, रचनात्मक और न्यायपूर्ण भविष्य के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नेपाल के चुनावों में बलेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी भारी जीत की ओर अग्रसर

काठमांडू/भाषा। नेपाल में छह महीने पहले हुए 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शन और फिर सितंबर में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद हुए पहले आम चुनाव में शुक्रवार को जारी मतगणना के रुझानों के अनुसार पूर्व रैपर बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है।

चुनाव आयोग के अनुसार, अपराह्न दो बजे तक जिन 94 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना चल रही थी, उनमें से 70 में आरएसपी आगे चल रही है, जबकि नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी छह निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही हैं।

भारत इस चुनाव पर करीब से नजर रख रहा है, जो राजनीतिक रूप से अस्थिर हिमालयी देश में एक स्थिर सरकार की उम्मीद कर रहा है ताकि दोनों पक्षों के बीच विकासात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में कहा, हम पारस्परिक लाभ के लिए अपने दोनों देशों और लोगों के बीच मजबूत बहुआयामी संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने नेपाल में शांति, प्रगति और स्थिरता का लगातार समर्थन किया है और अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, इन चुनावों के लिए नेपाल सरकार के अनुरोध के अनुसार साजोसामान संबंधी आपूर्ति प्रदान की है। हाल तक काठमांडू के महापौर रहे बलेंद्र शाह, झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में चार बार के प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ओली के गढ़ में उनसे आगे चल रहे हैं। शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को सुबह 10 बजे तक 6,090 वोट मिले, जबकि ओली को केवल 1,248 वोट ही प्राप्त हुए। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी, श्रम संस्कृति पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार एक-एक निर्वाचन क्षेत्र में आगे चल रहे थे।

चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि अब तक आरएसपी और एनसी ने एक-एक सीट जीती है। आरएसपी के रंजू दर्शन ने काठमांडू-1 से 15,455 वोटों से जीत हासिल की, जबकि एनसी के योगेश गौचन ठकाली ने मुस्तांग से 3,307 वोटों से जीत दर्ज की।

एक अधिकारी के अनुसार, पुष्प कमल दाहाल प्रचंड को अब तक 5,924 वोट मिल चुके हैं और वह रुकुम पूर्व में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे चल रहे हैं।मीडिया में आई खबरों के अनुसार, रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी काठमांडू के सभी 10 निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतगणना बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई और इसके शुक्रवार रात तक समाप्त हो जाने की संभावना है। नेपाल में प्रतिनिधि सभा के लिए बृहस्पतिवार को हुए चुनावों के दौरान लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ। 'जेन जेड' के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद नेपाल में ओली की सरकार गिर गई थी।

श्रद्धांजलि

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को केरल के कोल्लम दौरे के दौरान श्री नारायण गुरुदेव को श्रद्धांजलि देते हुए।

'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के नए गाने को आदिति भाटिया ने किया प्रमोट

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय टेलीविजन और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आदिति भाटिया ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के नए गाने का एक वीडियो शेयर किया है। हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के एक नए गाने का क्लिप शेयर करते हुए अदिति ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, जब प्रेम भक्ति में बदल जाता है, तब राधा केवल एक नाम फुसफुसाती है कान्हा। उन्होंने लिखा, 'कान्हा' अब रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ अभिनेत्री ने फिल्म को प्रोमोट करते हुए आगे लिखा, अब सहेंगे नहीं, लड़ेंगे। केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में जारी है। वीडियो में एक्ट्रेस गुलाबी रंग के घाघरा-चोली में शानदार डांस करते नजर आ रही है। गाने में आदिती को आप भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जमकर नृत्य करते देख सकते हैं।

आदिति के फैंस को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस कमेंट्स के माध्यम से वीडियो और अभिनेत्री पर अपना प्यार लगातार लुटा रहे हैं। आदिति भाटिया भारतीय हिंदी टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लाजवाब एक्टिंग के लिए जानी जाती है। अभिनेत्री ने स्टार प्लस के शो 'ये है मोहब्बतें' से फैंस के दिलों में असल पहचान बनाई, जिसमें उनके किरदार रुही को काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और अब वह 'द केरल स्टोरी 2' जैसी फिल्मों में दमदार लीड रोल करते नजर आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री कई हिंदी टेलीविजन सीरियल और रियलिटी शो में काम कर चुकी हैं और विभिन्न फिल्मों में अलग-अलग किरदार भी निभा चुकी हैं।

भारतीय हिंदी भाषा की ड्रामा फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मूवी का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है, और विपुल अमृतलाल शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' में आदिति भाटिया के साथ उल्का गुप्ता और ऐश्वर्या ओझा मुख्य किरदार को निभाते नजर आएंगे।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेउत्या हाफिद ने शुक्रवार को कहा कि देश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। हाफिद ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि उन्होंने अभी-अभी एक सरकारी नियम पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका मतलब है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे अब यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, बिगो लाइव और रोब्लोक्स जैसे जोखिम भरे डिजिटल मंचों पर अकाउंट नहीं बना सकेंगे।

इसका कार्यान्वयन 28 मार्च से धीरे-धीरे शुरू होगा, जब तक कि सभी सोशल मीडिया मंच अपने अनुपालन दायित्वों को पूरा नहीं कर लेते। हाफिद ने कहा, ''मूल बात स्पष्ट है। हमारे बच्चों को लगातार गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है। अश्लील सामग्री के संपर्क में आने, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सबसे महत्वपूर्ण, नशे की लत जैसे खतरों से उन्हें जूझना पड़ रहा है। सरकार इसलिए यहाँ है ताकि माता-पिता को 'एल्गोरिदम' के इस बड़े खतरे से अकेले न लड़ना पड़े।'' उन्होंने कहा कि सरकार डिजिटल आपातकाल के बीच बच्चों के भविष्य पर संप्रभुता को पुनः प्राप्त करने के सर्वोत्तम प्रयास के रूप में यह कदम उठा रही है।

रश्मिका-विजय के रिसेप्शन में पहुंचीं नीना गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर इस समय पावर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के हैदराबाद में हुए रिसेप्शन की खूबसूरत तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक्टर, एक्ट्रेस, डायरेक्टर, और नामी चेहरे ने स्टाइलिश अंदाज में सिरकत की। बीते बुधवार को रश्मिका और विजय के रिसेप्शन में पहुंचे सेलेब्रिटीज में एक नाम नीना गुप्ता का भी है, जो हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक शानदार अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता हैं। कपल के रिसेप्शन में अभिनेत्री अपने पति विवेक मिश्रा के साथ पहुंची। अभिनेत्री के बीते दिन की एक खूबसूरत तस्वीर को गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आप दोनों और आपके परिवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। आप सब बहुत ही मिलनसार, सम्मानजनक और प्यारे थे। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। नीना और विवेक की ओर से आपको दोनों को ढेर सारा प्यार। रश्मिका और विजय के साथ नीना और उनके पति की खूबसूरत तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, नीना के रिसेप्शन लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की एक एलेगेंट सारी पहनी है, जिसपर गोल्डन प्रिंट हैं। कट स्लीव ब्लाउज में अभिनेत्री का लुक काफी शानदार लग रहा है। खुले बाल, लाइट मेकअप और गोल्डन ज्वैलरी से नीना के लुक की एलेगेंस काफी बढ़ जाती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने हाथ में एक लाल रंग का बैग रखा हुआ है। वहीं, उनके पति विजय काले रंग के कोट और ब्राउन पैंट में उनको काफी कंप्लीमेंट कर रहे हैं। रश्मिका और विजय के रिसेप्शन लुक की बात करें, तो अभिनेत्री ने प्लेन लाल रंग की साड़ी पहनी है, जिसका बॉर्डर भारी है। स्लीक बन, नेचुरल मेकअप, और गोल्डन ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपनी रिसेप्शन लुक को पूरा किया है। वहीं, विजय पूरी तरह साउथ इंडियन लुक में नजर आ रहे हैं।

टी-सीरीज ने अलग अंदाज में जाह्नवी कपूर को विश किया बर्थडे, 'पेड्डी' के सेट से दिखाया पर्दे के पीछे का सीन

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री और प्रसिद्ध फैशन ऑइकन जाह्नवी कपूर शुक्रवार, 6 मार्च को अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस को विभिन्न सेलेब्रिटी और फैंस की ओर से अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी बीच टी-सीरीज ने जाह्नवी कपूर को एक खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। टी-सीरीज ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की आगामी फिल्म 'पेड्डी' के सेट से पर्दे के पीछे का कुछ सीन शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। टी-सीरीज ने 'पेड्डी' के सेट से बीटीएस को शेयर करते हुए पोस्ट कैप्शन में लिखा, शब्दों से परे एक ऐसी खूबसूरती और आंखों से ही सब कुछ बयां करने वाला अभिनय। जन्मदिन मुबारक हो जाह्नवी कपूर। इसी के साथ टी-सीरीज ने फैंस को बताया कि पेड्डी 30 अप्रैल को विश्वव्यापी रिलीज होगी।

टी-सीरीज के इस खास पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं, जिसमें जाह्नवी की खूबसूरती के साथ सेट के पीछे की कुछ बेहतरीन सीन को दिखाया गया है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और कमेंट्स आ चुके हैं। 'पेड्डी' एक आगामी पैन-इंडिया तेलुगु स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर (अचियम्मा) की भूमिका को निभाते लीड रोल में नजर आएगी। इनके अलावा पर्दे पर शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा बिखरेंगे। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस फिल्म में लोगों को जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस के साथ ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान के लाजवाब गाने सुनने को मिलेंगे। फिल्म की कहानी एक गांव के सम्मान पर आधारित है, जिसके लिए गांव के कुछ लोगों को एकजुट करके खेल का सहारा लिया जाता है। 'पेड्डी' मूवी का निर्माण वेंकट सतीश किलारू (वृद्धि सिनेमाज) और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया गया है।

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की नई पीढ़ी की उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक है, जो अपनी खूबसूरती और डांस मूव्स के साथ पर्दे पर अलग-अलग किरदारों को बेहतरीन ढंग से निभाने के लिए जानी जाती है।

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी ने 2018 की फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। पहली ही फिल्म में जबरदस्त एक्टिंग के लिए उन्हें खूब सराहा गया। इसके बाद, उन्होंने गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल, रूही, मिली, गुड लक जेरी, बवाल, और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।

जज के सामने कभी नहीं रोया, सोशल मीडिया की खबरें मनगढ़ंत : राजपाल

मुंबई/एजेन्सी

कॉमिडियन और अभिनेता राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने जज के सामने रोते हुए कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। एक्टर ने आईएएनएस से खास बातचीत में साफ कहा कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने इन दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने कहा, सोशल मीडिया पर जो खबरें चल रही हैं, उनमें से कुछ शुभचिंतक फैला रहे हैं, जबकि ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं। मैं सबकी इज्जत करता हूं, लेकिन ऐसी अफवाहों पर यकीन न करें। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई राजपाल के चेहरे को देखता है, तो उसे सिर्फ हंसी आनी चाहिए। इससे ज्यादा की उम्मीद न करें। मेरा चेहरा हमेशा हंसी-खुशी का प्रतीक रहा है और रहेगा।

राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की। हालांकि, सोशल मीडिया पर उन लोगों के नाम ज्यादा हाईलाइट नहीं हुए। एक्टर ने कहा कि परिवार से भी उन्हें लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सहारा है। गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है। साथ ही, उन्हें अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित है। 'भूल भुलैया' और कई हिट कॉमेडी फिल्मों के लिए मशहूर राजपाल यादव ने स्पष्ट किया कि वह कानूनी प्रक्रिया का पूरी तरह सम्मान कर रहे हैं और अफवाहों से दूर रहकर अपनी जिंदगी को हंसी-खुशी के साथ जीना चाहते हैं।

दौरा

चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ शुक्रवार को कोच्चि में केरल इलेक्शन डिपार्टमेंट द्वारा क्यूरेट की गई इलेक्शन फोटो एग्जीबिशन का दौरा करते हुए।

आत्मसम्मान से समझौता नहीं:भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।'' भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है।

मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

लियोनार्डो दा विंची के आविष्कारों से रूबरू हुई आहाना कुमरा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री आहाना कुमरा हाल ही में अपनी इटली की खूबसूरत सैर से लौटी हैं और गुरुवार को उन्होंने इसकी खूबसूरत झलकियां शेयर कीं। अभिनेत्री ने इस यात्रा को 'कभी न भूलने वाला' अनुभव बताया है। आहाना ने अपनी ट्रिप की कुछ झलक आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिनमें फ्लोरेंस की खूबसूरती, मूर्तियां और उनका खुश चेहरा साफ दिख रहा है। इसमें उन्होंने रोम की कला और इतिहास को बहुत प्रभावित बताया। अभिनेत्री ने लिखा, रोम के मशहूर 'लीनिंग टावर ऑफ पीसा' के सामने खड़े होने से लेकर खूबसूरत फ्लोरेंस शहर की भव्यता देखने तक का अनुभव बहुत खास रहा। हालांकि फ्लोरेंस में मेरा समय कम था, लेकिन वहां असली डेविड की मूर्ति को अपनी आंखों से देखना एक यादगार पल था और फिर मैंने 'पर्सियस विद द हेड ऑफ मेडुसा' की मूर्ति भी देखी। यह वही मेडुसा है, जिसका सिर आज वर्साचे के लोगो में इस्तेमाल होता है। शहर के बीचों-बीच इतिहास और पौराणिक कथाओं को जीवंत रूप में देखना उनके लिए जादुई अनुभव रहा।

आहाना ने लीनिंग टावर के सामने खड़े होने का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'लियोनार्डो दा विंची' म्यूजियम में घूमना भी शानदार रहा, जिन विचारों और आविष्कारों के बारे में मैंने सिर्फ किताबों में पढ़ा था, उन्हें सामने देखना सच में अद्भुत था।अभिनेत्री ने बताया कि ट्रिप के दौरान स्वादिष्ट इटालियन खाना, कियांती वाइन में अकेले घूमने की आजादी ने इसे और भी यादगार बना दिया। उन्होंने लिखा, जहां मन किया, वहां गए और जब मन किया तब घूमे। यह स्वतंत्रता मुझे बहुत पसंद आई।आहाना ने अपनी पोस्ट के आखिरी में लिखा, मैं आभारी हूं कि इतिहास को अपनी आंखों के सामने जीवंत होते देखने का मौका मिला। आहाना को आखिरी बार साल 2022 की फिल्म सलाम वेंकी में देखा गया था। स्लाइस-ऑफ-लाइफ ड्रामा फिल्म को रेवती ने डायरेक्ट किया था। इसमें काजोल और विशाल जेठवा भी नजर आए थे। इसके अलावा, अभिनेत्री 'राइज एंड फॉल' में नजर आई थी।

बेबी किट का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई गोल्ड सेन्टर के तत्वावधान मे महावीर इंटरनेशनल अपैक्स के दिशा निर्देश अनुसार आरोग्य परियोजना 'स्वस्थ माँ स्वस्थ शिशु' के अंतर्गत दिनांक06/03/2026शुक्रवार को सुबह 11 बजे ताम्बरम सरकारी अस्पताल-चेन्नई में बेबी किट एवं सैनेटरी नेपकिन नवजात शिशुओं के माताओं को वितरण किया गया। इसके साथ में आने वाले विश्व महिला दिवस के उपलक्ष में सभी नव शिशु माताओं को उनके पहनने हेतु लम्बा गाउन 41+ माताओं को प्रदान किया गया है। इस वितरण कार्यक्रम में चेयरमैन महेन्द्र गुणवंती पगारिया, वाइस चेयरमैन प्रवीण नीता कुम्भट, सचिव नरेन्द्र खाँटेड, कोषाध्यक्ष बसन्त बरड़िया, नारायणलाल सीरवी, कनगी, लीशा, अस्पताल के स्टॉफ आदि का भरपुर सहयोग रहा।

खेल दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहूकारपेट में स्थित श्री बादलचंद सायर चंद चोरड़िया जैन विद्यालय की 99वीं वार्षिक खेल दिवस 6 मार्च को को कन्नापर टाइडल ग्राउंड में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसके मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी कुमारी एनएस अक्षया और विशिष्ट अतिथि भारतीय सेना के मार्शल आर्ट्स कोच कुमारी महिता सुरेश थे। इसमें काई कार्यक्रम हुए केजी से द्वितीय कक्षा के छात्र-छात्राओं ने वेलकम डांस किया। विद्यार्थियों ने लेजियम डांस, एरोबिक डांस ड्रिल, पिरामिड, सिलंबम, योगा, बॉक्सिंग,स्पोर्ट्स डांस आदि की प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं को पदक और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के पत्राचार एस अजय कुमार चोरड़िया, सचिव ए सुमेरचंद चोरड़िया, प्रधानाध्यापिका मालिनी, अभिभावकों और शिक्षकगणों के उपस्थित में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सांसद नरेश बंसल का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम् स्थित राजस्थानी संघ में गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय उपकोषाध्यक्ष एवं सांसद नरेश बंसल, मुख्य ऑडिटर श्रीमती वेणुथापर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सभी का स्वागत राजस्थानी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष मून्दड़ा ने किया। सांसद बंसल ने नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। कार्यक्रम का संचालन राजेश अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल, श्रीगोपाल माहेश्वरी, इन्दरचन्द कोठारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने सांसद बंसल और ऑडिटर वेणु थॉपर का सम्मान किया। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार की कल्याण कारी योजनाओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर गुलाबचन्द मेहता, संतोष पटवारी, संतोष मून्दड़ा, रमेश सुतलिया, श्रवण बोहरा आदि ने अपने विचार रखे। भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष एस आर शेखर, हरीश पटेल, राजेश अग्रवाल, अक्षत जैन, धीरज जैन सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन उत्तमचन्द पुगलिया ने दिया।

समझ और सहनशक्ति से ही जीवन होगा सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री सकल जैन संघ, मंजुनाथनगर, शिवनगर के उत्तम अंकित विला में विराजित श्रमण संघीय महासाध्वीश्री आदर्श ज्योतिजी ने धर्म सभा में कहा, जीवन में दो तरह की शक्ति आ जाए तो जीवन सफल बन जाता है। पहली समझ शक्ति और दूसरी सहन शक्ति। समझ शक्ति के अभाव में ग्रह क्लेश हो जाता है। समझ शिक्षा आजीविका का साधन हो सकता है लेकिन समझ शक्ति के अभाव से वो अपरिपक्व ही रहता है। हमारे जैन धर्म में प्रभु ने समझदारी को ही विवेक कहा है। अविवेक के कारण हमारा जीवन दुखी हो जाता है। एक चुप मतलब कई तरह के सुख। हमारे में समझ शक्ति है परंतु सहन शक्ति नहीं है। पशुओं में सहन शक्ति है, पर उन में समझ शक्ति नहीं होती है। वाणी ऐसी बोलनी चाहिए जिससे किसी को ज़ख्म न लगे। अगर हमारे बोलने से किसी की आंखों में आँसू आ जाएं तो 120 उपवास का प्रायश्चित आता है। इसके पहले साध्वीश्री रजत ज्योतिजी ने मंगलाचरण से सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। साध्वीश्री आत्म ज्योतिजी ने जीवन को सफल एवं कल्याणकारी कैसे बनाएं, विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष उत्तम चंद आच्छा ने सबका स्वागत किया। संचालन अंकित आच्छा ने किया।

होली कार्यक्रम में सहेली मंडल द्वारा जरूरतमंदों को सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम् में राजस्थानी संघ में सहेली मंडल ने होली के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए एक बड़ी राशि का चेक अनाथ लावारिश लाशों को पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने वाली एक संस्था को दिया, साथ ही जरूरतमंदों को व्हीलचेयर एवं राशन किट का वितरण किया।

इस कार्यक्रम में 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने पारंपरिक, रंग-बिरंगे राजस्थानी कपड़े पहने थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुंबई के राधा कृष्ण ग्रुप की क़ी प्रस्तुति से हुई। साथ ही तंबोला और अन्य गेम्स ने कार्यक्रम में जोश बढ़ाया। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए फूलों के साथ होली खेली गई।

सेल्फी कोलम प्रतियोगिता में विजेता पुरस्कृत हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरस्वाक्कम स्थित श्रीलेदर्स द्वारा तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मार्गझी महीने में कोलम प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया था प्रतिभागियों को एक व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से अपनी कलात्मक सेल्फी कोलम तस्वीरें साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। जिसका परिणाम हाल में घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में दो हजार पांच सौ से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। सभी प्रविष्टियों की बारीकी से परख के बाद सर्वश्रेष्ठ पचास प्रतिभागियों को चुना गया तत्पश्चात सभी विजेताओं को गिफ्ट हैम्पर देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीलेदर्स कोलम प्रतियोगिता की तीन बार विजेता रह चुकीं सत्या रामकुमार और फिल्म अभिनेत्री सुश्री उपासना आरसी थीं।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीलेदर्स के पार्टनर्स सुशांतो डे और सुश्री पुजारिनी डे ने की, जिन्होंने विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार और उपहार प्रदान किए।

ब्रह्मवृक्षम द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ब्राह्मण एसोसिएशन 'ब्रह्मवृक्षम'द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन माधावरम स्थित आदिनाथ ट्रेड कॉम्प्लेक्स में 8 मार्च को सायं चार बजे से किया जा रहा है।

मंत्री वी के तिवारी ने बताया है कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से प्रवासित ब्राह्मण समाज के लोग एकत्रित होकर एक दूसरे के साथ अबीर गुलाल की होली खेलकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाएंगे।

कार्यक्रम की तैयारियों में अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी सहित अनेक लोग लगे हुए है।

अग्रवाल सभा एवं समाज का होली मिलन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री अग्रवाल सभा एवं श्री अग्रवाल समाज (मद्रास) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 8 मार्च को होली उत्सव का आयोजन वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3 बजे से होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री परमहंस योगानंद विद्यालय के चेयरमैन गोपाल अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि ओपीपी ग्रुप के चेयरमैन अरविंद गुप्ता होंगे। सभा एवं समाज द्वारा एक साथ आयोजित किए जाने वाले होली उत्सव के इस कार्यक्रम की तैयारी में सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल एवं समाज के अध्यक्ष सावरमल खेमका सहित दोनों संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी लगे हुए है। यह जानकारी सभा के जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने दी है।

पुस्तक में संशोधन हेतु सीआईसीटी को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी), चेन्नई से 2024 में प्रकाशित पुस्तक तमिल भाषा साहित्य का इतिहास (संगम काल)' में भगवान महावीर को जैन धर्म का संस्थापक बताने एवं उनके जीवन काल को गलत दर्शाने के लिए जैन दर्शन के विद्वान साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने सीआईसीटी के निदेशक डॉ. रा. चंद्रशेखरन को पत्र लिखा है। डॉ. मा. रासमाणिक्कनार द्वारा लिखित यह पुस्तक के. रामनाथन के हिंदी अनुवाद के साथ 2024 में प्रकाशित हुई, जिसमें डॉ. चंद्रशेखरन पुस्तक के मुख्य संपादक एवं शोधाधिकारी डॉ. एन. देवी एवं एस. कार्तिकेयन सहसंपादक हैं। सीआईसीटी प्रकाशन क्रमांक 183 वाली इस पुस्तक के चौथे अध्याय में पृष्ठांक 22 पर लिखा है- जैन धर्म के संस्थापक भगवान महावीर का जीवन काल ई. पूर्व 539-467 तक है।' डॉ. धींग ने स्पष्ट किया कि भगवान महावीर जैन धर्म के संस्थापक नहीं, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। शाश्वत तीर्थंकर परंपरा में मौजूदा कालचक्र में जैन धर्म के संस्थापक प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान ऋषभदेव हैं। इसके अतिरिक्त उक्त वाक्य में भगवान महावीर का जीवन काल ई.पू. 539-467 तक बताया गया, जो पूर्णतः गलत है।

यह एक सर्वसम्मत प्रामाणिक ऐतिहासिक तथ्य है कि भगवान महावीर का जन्म ई.पूर्व 599 में और उनका निर्वाण ई.पूर्व 527 में हुआ था। इसी ऐतिहासिक कालगणना के अनुसार सन 2001 में देश-दुनिया में भगवान महावीर का 2600वाँ जन्म कल्याणक मनाया गया था। भारत सरकार ने इस अवसर पर स्मारक डाक टिकट और सिक्के जारी किए थे।

इसी प्रकार सन 1974 में भारत सरकार के डाक विभाग ने भगवान महावीर की 2500वीं निर्वाण जयंती पर पच्चीस पैसे का डाक टिकट जारी किया और भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष में पुनः सन 2024 में पाँच रुपये मूल्यवर्ग का डाक टिकट जारी किया। भारत सरकार ने भगवान महावीर का जीवन काल ई.पूर्व 599-527 तक मानते हुए ही ये स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्के जारी किए। लेकिन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित स्वायत्त संस्थान सीआईसीटी द्वारा प्रकाशित पुस्तक में भगवान महावीर को साठ वर्ष पश्चातवर्ती दिखाया जाना गंभीर ऐतिहासिक भूल है। ऐसी भूलों से पाठक और शोधार्थी भ्रमित हो जाते हैं तथा अनेक ऐतिहासिक गणनाएँ त्रुटिपूर्ण हो जाती है।

डॉ. धींग ने सुझाया कि पुस्तक में तथ्यपूर्ण वाक्य इस प्रकार हो सकता है- जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जीवन काल ई. पू. 599-527 तक है।' उन्होंने अनुरोध किया कि उक्त संशोधन के बाद ही सीआईसीटी से इस पुस्तक का वितरण किया जाए। दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ की मंत्री विजया कोटेचा ने बताया कि पत्र की प्रति शिक्षा मंत्रालय को भी प्रेषित की गई है।

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के त्रिची में आगामी 11 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एनडीए गठबंधन को लेकर आगमन और सभाओं की तैयारियों के लिए एक बैठक चित्री में हुई। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नागेन्द्रन, केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन के नेतृत्व में हुई बैठक में अनेक विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर राज्य महासचिव करुप्पु मुरुगनंदम, राज्य सचिव नंदकुमार के साथ राज्य और ज़िला प्रशासकों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

जैन साधार्मिक सेवा संघ द्वारा ऐतिहासिक संघ यात्रा की तैयारियाँ प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन साधार्मिक सेवा संघ के तत्वावधान में आगामी 7 से 12 मई तक आयोजित होने वाली भव्य संघ यात्रा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को यहां एक होटल में प्रथम बैठक संपन्न हुई। इस ऐतिहासिक संघ यात्रा में लगभग 400 श्रद्धालु यात्रियों के सम्मिलित होने का अनुमान है। यह संघ अहिल्यानगर, औरंगाबाद, जालना, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ एवं कुलपाकजी जैसे पवित्र स्थलों की यात्रा करेगा। बैठक में यात्रा की व्यवस्थाओं, यात्रियों की सुविधाओं एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से सुनील ओस्तवाल, विनोद चोरड़िया, चेतन छाजेड़ , सुनील नाहटा, आकाश आछा, आनंद लोढा, प्रवीन लोढा, अंशुल कछोलिया, अभिषेक विनायकिया, प्रकाश विनायकिया, प्रवीण मूथा, पूजा ओस्तवाल, दीप्ति बाफना सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में संघ यात्रा को सफल बनाने हेतु सभी सदस्यों ने अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान किया। अंत में आशीष बाफना ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। संघ द्वारा इस ऐतिहासिक यात्रा की तैयारियाँ पूरे उत्साह एवं जोर-शोर से प्रारंभ कर दी गई हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.